श्रमसाधना

हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmai.com — श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति — www.shramsadhnanews.com

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 56 ग्वालियर, शनिवार 26 सितंबर 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

कटनी में नर्सिंग कॉलेजों के पदाधिकारियों और विद्यार्थियों ने किया स्वागत

नर्सिंग विद्यार्थियों ने परिणाम जारी होने पर उप मुख्यमंत्री का जताया आभार

कटनी जीएनएस

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के कटनी जिले के अल्प प्रवास के दौरान विभिन्न नर्सिंग कॉलेजों के पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उनसे भेंट कर स्वागत किया। विद्यार्थियों ने लंबित परीक्षा परिणाम जारी कराने की पहल के लिए उप मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

एमजीएम कॉलेज एवं स्कूल नर्सिंग कॉलेज, श्री साईनाथ कॉलेज तथा विजडम नर्सिंग कॉलेज, कटनी के पदाधिकारियों और विद्यार्थियों ने उप मुख्यमंत्री से मुलाकात की। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य शासन के लिए छात्र हित सर्वोपरि है। विद्यार्थियों की शिक्षा और भविष्य में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए शासन संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय के आदेश के पालन में मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा बीएससी नर्सिंग के 15 हजार से अधिक विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। लगभग 28 हजार विद्यार्थियों की आगामी परीक्षा भी शीघ्र आयोजित की जा सकेगी।

उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय ने उच्च न्यायालय के आदेश के पालन में बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष परीक्षा मार्च 2026 तथा तृतीय वर्ष परीक्षा जनवरी 2026 के परिणाम घोषित किए हैं। विद्यार्थियों ने कहा कि परिणाम जारी होने से उनकी आगे की पढ़ाई और अन्य शैक्षणिक प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाने में सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राज सिंह ठाकुर, उद्योगपति मनीष गेई सहित पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय ऑनलाइन क्विज में लिया हिस्सा

माधव विधि महाविद्यालय में युवाओं ने कराया माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण

ग्वालियर जीएनएस

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के मेरा युवा भारत केंद्र ग्वालियर ने राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से 25 सितंबर को माधव विधि महाविद्यालय में पंजीकरण अभियान आयोजित किया। इस दौरान विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2027 के तहत राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता भी कराई गई। महाविद्यालय के एलएलबी के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण कराया और क्विज में भाग लिया।

मुख्य वक्ता माय भारत केंद्र ग्वालियर की जिला युवा अधिकारी अंजली कुमारी ने कहा कि माय भारत पोर्टल युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का डिजिटल मंच है। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के माध्यम से युवाओं को नीतिगत सुझाव देने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से पोर्टल पर पंजीकरण कर अपनी प्रतिभा का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक डॉ. मनोज अवस्थी ने कहा कि रासेयो युवाओं में सामाजिक दायित्व और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का कार्य करती है। उन्होंने क्विज प्रतियोगिता को विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन तथा तार्किक क्षमता के विकास का माध्यम बताया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. नीति पांडे ने की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ देश की विकास योजनाओं की जानकारी भी होनी चाहिए। उन्होंने ऐसे आयोजनों में महाविद्यालय की सहभागिता जारी रखने की बात कही।

युवा मंडल अध्यक्ष अरविंद कुशवाह ने विद्यार्थियों को माय भारत पोर्टल से जुड़कर नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वय एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी खुशहाल झा एवं रेखा गंभीर ने किया।

व्याख्यान माला में 'मातृशक्ति' विषय पर हुआ व्याख्यान

समन्वय, सह अस्तित्व और नैतिक मूल्यों से होगा समस्याओं का समाधान : जोशी

ग्वालियर जीएनएस

समाज विभिन्न घटकों से मिलकर बनता है और विविधता के कारण समस्याओं का होना स्वाभाविक है, लेकिन हर समस्या का समाधान भी संभव है। इसके लिए समन्वय, सह अस्तित्व, कर्तव्य पालन और नैतिक मूल्यों को अपनाना आवश्यक है। यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य भैया जी जोशी ने राष्ट्रोत्थान न्यास की ज्ञान प्रबोधिनी व्याख्यान माला में कही।

एलएनआईपीई के रवीन्द्र नाथ टैगोर सभागार में 'सांस्कृतिक मूल्यों की संरक्षक एवं संवर्धक मातृशक्ति' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि जिस प्रकार शरीर विभिन्न अंगों से मिलकर बना है और प्रत्येक अंग का अपना महत्व है, उसी प्रकार समाज भी विभिन्न घटकों से मिलकर बनता है। समाज और राष्ट्र की उन्नति के लिए समरसता जरूरी है।

उन्होंने कहा कि स्त्री और पुरुष एक-दूसरे के पूरक हैं। दोनों की भूमिकाएं अलग हो सकती हैं, लेकिन महत्व समान है। समाज का जीवन सह अस्तित्व से चलता है। शोषण और भेदभाव से मुक्त वातावरण में ही समाज और राष्ट्र का समग्र विकास संभव है।

जोशी ने संस्कार, शिक्षा और श्रेष्ठ जीवन मूल्यों को आवश्यक बताते हुए कहा कि एक व्यक्ति के आचरण का प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्तव्यों का सही ढंग से पालन करे तो अनेक समस्याओं का समाधान स्वतः संभव हो सकता है।

कार्यक्रम में संघ के ग्वालियर विभाग संघचालक प्रहलाद सबनानी एवं राष्ट्रोत्थान न्यास के अध्यक्ष डॉ. जगजीत सिंह नामधारी मंचासीन रहे। अतिथियों का परिचय माधवी सिंह तोमर ने दिया। स्वागत प्रियंका कुशवाह एवं सुमन सिकरवार ने किया।

12 दिन तक हुई आरती, गरबा और सुंदरकांड, भंडारे के बाद धूमधाम से निकली विसर्जन यात्रा

सनातन विकास परिषद ने मनाया श्री गणेश चतुर्थी महोत्सव

ग्वालियर जीएनएस

श्री गणेश चतुर्थी के अवसर पर जीवाजी क्लब के पीछे स्थित नवनिर्मित न्यू हरगोविंद मिश्रा कॉलोनी में सनातन विकास परिषद ग्वालियर द्वारा 14 से 25 सितंबर तक श्री गणेश चतुर्थी महोत्सव मनाया गया। इस दौरान यहां 'लालबाग के राजा श्री गणेश जी' की स्थापना की गई।

महोत्सव के 12 दिनों में प्रतिदिन सुबह और शाम भगवान गणेश की आरती की गई। महिलाओं ने गरबा प्रस्तुत किया तथा सुंदरकांड का आयोजन भी हुआ। समापन अवसर पर श्री गणेश जी की महाआरती के बाद भंडारे और संगीत सभा का आयोजन किया गया।

इसके बाद भगवान गणेश की विसर्जन यात्रा धूमधाम से निकाली गई। यात्रा के दौरान मार्ग में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। आगरा-झांसी मार्ग के पास रमौआ बांध में भगवान गणेश की प्रतिमा का विधि-विधान से विसर्जन किया गया। आयोजन को सफल बनाने में सनातन विकास परिषद के संस्थापक आर.डी. सिंघल (रम्मी भारती), राम महेश्वरी, शंकर अग्रवाल, अनिल गुप्ता, पवन जैन, कमल सिंघल, श्याम अग्रवाल, डॉ. रमाकांत रावत, सौरव महेश्वरी, गिरीश आनंद, कृष्णा बंसल, अखिल जैन, असंय अग्रवाल, संतोष कोठारी, रविंद्र सिंघल, अशोक बृजवानी, अतुल सिंघल, संजय मित्तल, गिरिराज सिंघल, सौरव बंसल, विजय चौधरी, रिंकू अग्रवाल सहित कॉलोनीवासियों एवं महिलाओं का विशेष सहयोग रहा।

कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देश पर निलंबित सहायक समिति प्रबंधक पर एफआईआर दर्ज

सहकारी बैंक राशि गबन मामले में हुई कार्यवाही

शिवपुरी, जीएनएस। जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के स्पष्ट निर्देशों के परिपालन में, जिले में शासकीय योजनाओं एवं सहकारी संस्थाओं में वित्तीय अनियमितता करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

सहकारी बैंक राशि गबन के मामले में प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित विलोकलां के निलंबित सहायक समिति प्रबंधक मुकेश रावत के विरुद्ध किसानों की राशि गबन करने और धोखाधड़ी के मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। वित्तीय अनियमितता के कारण मुकेश रावत को निलंबित किया गया था।

प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित विलोकलां के निलंबित सहायक समिति प्रबंधक मुकेश रावत ने कृषक सदस्यों से वसूली गई राशि बैंक खाते में जमा न कर अपने निजी उपयोग में ली गई। साथ ही, किसानों के फर्जी हस्ताक्षर कर उनके नाम पर खाद एवं ऋण का झूठा बकाया दर्ज किया गया। सहकारिता विभाग एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक द्वारा की गई जांच के बाद मुकेश रावत द्वारा कुल 2,80,150 रुपये की शासकीय राशि का गबन एवं धोखाधड़ी पाई गई है। यह मामला संज्ञान में आते ही कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने एफआईआर के निर्देश दिए। मुकेश रावत के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि किसानों के हक का पैसा हड़पने और सहकारी संस्थाओं में किसी भी प्रकार की वित्तीय गड़बड़ी या फर्जीवाड़े को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसानों और आमजन से जुड़ी शिकायतों की गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

पिछड़ा वर्ग छात्रावासों में नवनिर्मित मैस का शुभारंभ: शिवपुरी में आयोजित हुए भव्य कार्यक्रम

शिवपुरी, जीएनएस। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित जिला स्तरीय पोस्ट मैट्रिक कन्या एवं बालक छात्रावासों में नवनिर्मित मैस का शुभारंभ किया गया। शासन के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय शिवपुरी में भी इस अवसर पर दो स्थानों पर गरिमामयी कार्यक्रम आयोजित कर नवनिर्मित मैस का विधिवत शुभारंभ किया गया।

कन्या एवं बालक छात्रावासों में अतिथियों ने किया शुभारंभ

शासकीय पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास कमलागंज में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री प्रहलाद भारती मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं शासकीय पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास बड़ोदी में शिवपुरी विधायक श्री देवेन्द्र जैन ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। अतिथियों की उपस्थिति में मैस का विधिवत शुभारंभ हुआ। मैस सुविधा प्रारंभ होने से प्रसन्न छात्रावास की छात्र-छात्राओं ने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और विभागीय मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

छात्राओं को मिला मार्गदर्शन

कमलागंज कन्या छात्रावास में आयोजित कार्यक्रम का सफल संचालन डिप्टी कलेक्टर श्री अनूप श्रीवास्तव ने किया। उन्होंने अपने उद्बोधन के माध्यम से छात्राओं को जीवन में शिक्षा के महत्व एवं लक्ष्य निर्धारण के संबंध में सारगर्भित मार्गदर्शन प्रदान किया।

विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी रहे उपस्थित : आयोजित कार्यक्रमों के दौरान छात्रावास अधीक्षिका श्रीमती कमला गौर, निरीक्षक श्री एन.एल. राय, बालक छात्रावास अधीक्षक श्री पवन अवस्थी, शाखा प्रभारी श्री अनिल कुमार शर्मा सहित विभाग के अन्य कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

नमामि भारतम्’ के अंतर्गत सामूहिक वंदे मातरम् गान का आयोजन हुआ

ग्वालियर, जीएनएस। सरस्वती शिशु मंदिर, 165,सरस्वती नगर ग्वालियर में शुक्रवार को ‘नमामि भारतम्’ कार्यक्रम के अंतर्गत सामूहिक वंदे मातरम् गान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता श्री नितेश शर्मा(प्राध्यापक आदर्श विज्ञान महाविद्यालय, ग्वालियर एवं मुख्य अतिथि श्री उदयभान जी रजक(ग्वालियर के जाने-माने युवा गीतकार,साहित्यकार एवं समाजसेवी) , श्रीमती रमा अवस्थी दीदी,(अध्यक्ष-श्री यशवंत से घुरैया स्मृति शिक्षा समिति)और प्राचार्य श्री रवि उप्रेती

एवं विद्यालय के आचार्यगण तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों द्वारा भारत माता एवं सरस्वती पूजन किया गया उसके बाद प्राचार्य रवि जी ने सभी अतिथियों का परिचय कराया, तत्पश्चात अतिथियों को विद्यार्थी बहनों ने श्रीफल एवं अंग वस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। मुख्यवक्ता डॉ. नितेश शर्मा जी वंदे मातरम के इतिहास को बताते हुए वर्तमान में उसकी प्रासंगिकता के बारे में सभी को अवगत कराया। कार्यक्रम में कुल 300 सहभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए एक साथ वंदे मातरम् का सामूहिक गान किया। निर्धारित समय पर सभी सहभागियों ने एक स्वर, एक समय और एक साथ राष्ट्रगीत का गायन किया। सामूहिक वंदे मातरम् गान ठीक 3 मिनट 13 सेकंड में पूर्ण हुआ। इस अवसर पर विद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति, एकता और देशप्रेम के भाव से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति सम्मान एवं गौरव की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया। वंदे मातरम् के जयघोष और सामूहिक गायन से विद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति के भाव से गूंज उठा। विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे अपने देश की एकता, अखंडता और गौरव को बनाए रखने में सदैव अपना योगदान देंगे।

सेवा सप्ताह में जरूरतमंदों की मदद को बढ़े हाथ, दिव्यांग महिला को मिली व्हीलचेयर

सशक्त नारी, महिला शक्ति और एक उड़ान का संयुक्त समापन समारोह फिरोजाबाद क्लब में हुआ

फिरोजाबाद, जीएनएस। जायंट्स सेवा सप्ताह के तहत 17 से 23 सितंबर तक किए गए सेवा कार्यों का शुक्रवार को फिरोजाबाद क्लब में समापन हुआ। जायंट्स सशक्त नारी, महिला शक्ति और एक उड़ान के संयुक्त आयोजन में दिव्यांग महिला को व्हीलचेयर और दो जरूरतमंद बालिकाओं को स्कूल फीस के लिए आर्थिक सहयोग दिया गया।

सशक्त नारी की ओर से सेवा सप्ताह में कुछ आश्रम में राशन, दवाइयां और चिकित्सा सामग्री वितरित की गई। मूक-बधिर विद्यालय में दिव्यांग बच्चों के लिए खेल प्रतियोगिता कराई गई और कुर्सियां उपलब्ध कराई गई। कॉलेज छात्राओं की सुविधा के लिए सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन लगवाई गई।

अपना घर वृद्धाश्रम में सेवा कार्य करने के साथ सिलाई केंद्र और श्रमिक वर्ग के लिए भोजन सेवा की गई। जल संरक्षण के लिए पानी की टंकी का निर्माण कराया गया। 300 से अधिक छात्राओं वाले विद्यालय में चार वॉशरूम बनवाने के साथ कक्षाओं में ट्यूबलाइट और डस्टबिन की व्यवस्था कराई गई।

समापन समारोह में फेडरेशन फाइव के अध्यक्ष विपिन मित्तल मुख्य अतिथि रहे। उपाध्यक्ष सौम्या चौहान, कोषाध्यक्ष अपर्णा सिंह, यूनिट निदेशक प्राची अग्रवाल, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर मंजू सिंह, अनु बंसल, कल्पना राजौरिया और फेडरेशन ऑफिसर रश्मि अग्रवाल मौजूद रहीं।

अध्यक्ष निधि जैन, प्रशासनिक निदेशिका मेघा जैन समेत प्रीति गर्ग, गौरवी अग्रवाल, पूजा मित्तल, रीता बंसल, दिव्या दुबे, रिचा गर्ग, मीनल अग्रवाल, गरिमा पाराशर, रेखा गुप्ता, नेहा गोयल, तान्या बंसल और कीर्ति गर्ग ने सेवा कार्यों में सहयोग किया। पदाधिकारियों ने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता करना ही सेवा का मूल उद्देश्य है।

लंपी वायरस की रोकथाम के लिये आइसोलेशन सेंटर के माध्यम से उपचार एवं टीकाकरण का कार्य जारी

ग्वालियर, जीएनएस। गौवंश में लंपी वायरस की रोकथाम के लिये प्रशासन द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है। ग्राम रतवाई में वृंदावन गौशाला में आईसोलेशन सेंटर के माध्यम से पीड़ित गायों का उपचार किया जा रहा है। इसके लिये चिकित्सकों की दो शिफ्ट में ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही टीकाकरण का अभियान भी निरंतर चलाया जा रहा है।

उप संचालक पशु चिकित्सा एवं डेयरी विभाग डॉ. दिलीप कुमार गुप्ता ने बताया कि पिछले 20 दिनों से गौवंश में लंपी स्किन डिसीज की शिकायतें सामने आई थीं। जिसके तहत विभाग एवं नगर निगम के माध्यम से संयुक्त प्रयास कर पीड़ित गौवंश को आइसोलेशन सेंटर पर लाकर उनका उपचार किया जा रहा है। इसके साथ ही विशेष टीकाकरण का कार्य भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक 182 गौवंश संक्रमित पाए गए हैं, जिनमें से 108 गौवंश उपचार करने के उपरांत ठीक हो गए हैं। शेष गौवंश का उपचार किया जा रहा है।

नगर निगम की आदर्श गौशाला लाल टिपारा में लगभग 10 हजार गौवंश में टीकाकरण का कार्य किया गया है। इसके साथ ही शहर में घूमने वाली निराश्रित गौवंश में भी टीकाकरण का कार्य किया जा रहा है। पीड़ित गौवंश के 14 सेम्पल सीरम जाँच हेतु भोपाल भेजे गए हैं। जिले में आयोजित जन-विश्वास शिविरों के माध्यम से भी पशुपालकों को टीकाकरण के लिये प्रेरित किया जा रहा है।

मिट्टी के गणेश का घर में ही विसर्जन, गमले में रोपा बीज

ग्वालियर, जीएनएस। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर सर्व ब्राह्मण महासंघ के युवा अध्यक्ष कपिल भार्गव ने पारस विहार कॉलोनी स्थित अपने निवास पर भतीजे शिवांश भार्गव (शरद) के साथ मिट्टी से तैयार भगवान गणेश की प्रतिमा का घर में ही विसर्जन किया। विसर्जन के बाद प्रतिमा को पानी में घोलकर गमले में डाला गया और उसमें बीज भी रोपा गया। इससे आगे चलकर पौधा तैयार होगा। कपिल भार्गव ने लोगों से अगले वर्ष भी मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमाएं स्थापित करने और घर में

ही विसर्जन कर पर्यावरण संरक्षण की इस पहल को अपनाने का आह्वान किया।

वरिष्ठजनों को सहायक उपकरण वितरण के लिये प्रशिक्षण शिविर 28 व 29 को

ग्वालियर, जीएनएस। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांजन सशक्तिकरण विभाग के तहत संचालित वयोश्री योजना के अंतर्गत 60 या 60 से अधिक उम्र वाले वरिष्ठजनों को सहायक उपकरण वितरण के लिये प्रशिक्षण शिविर 28 व 29 सितम्बर को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक अटल बिहारी वाजपेयी दिव्यांग प्रशिक्षण केन्द्र ट्रिपल आईटीएम के सामने प्रधानमंत्री दिव्याशा केन्द्र पर आयोजित किया गया है। सहायक संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण ग्वालियर से प्राप्त जानकारी के अनुसार शिविर में वरिष्ठजनों को अपने साथ आधारकार्ड, पेंशन स्वीकृति आदेश की छायाप्रति, बीपीएल कार्ड की छायाप्रति, राशन पात्रता पर्ची, आय प्रमाण-पत्र एवं दो पोसपोर्ट साइज के फोटो लेकर शिविर स्थल पर उपस्थित होना होगा। शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण उपरांत दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण का कार्य किया जायेगा।

559 युवाओं को म.प्र पॉवर जनरेटिंग कंपनी देगी ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग

भोपाल, जीएनएस।
मध्यप्रदेश के युवाओं को विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में व्यावहारिक प्रशिक्षण और अपने कौशल को निखारने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के अंतर्गत 559 ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग पद उपलब्ध कराए गए हैं। डिग्री, डिप्लोमा अथवा अन्य निर्धारित शैक्षणिक योग्यता प्राप्त करने के बाद रोजगार के अवसर तलाश रहे युवा इस योजना के माध्यम से कंपनी के विभिन्न कार्यालयों एवं विद्युत गृहों में एक वर्ष का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। पात्र प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण अवधि के दौरान 8 हजार रूपये से 10 हजार प्रतिमाह तक स्टाइपेंड भी दिया जायेगा।

जल एवं ताप विद्युत गृहों में मिलेगा व्यावहारिक प्रशिक्षण

मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी द्वारा प्रशिक्षण के लिए कुल 559 पद स्वीकृत किए गए हैं। इसके तहत युवाओं को जबलपुर स्थित कंपनी मुख्यालय के साथ प्रदेश में स्थित विभिन्न जल एवं ताप विद्युत गृहों में कार्य करते हुए व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। योजना के अंतर्गत इलेक्ट्रीशियन, इन्फॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी एवं सिस्टम मेंटेनेंस,

मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के तहत एक वर्ष का प्रशिक्षण

कंप्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्रामिंग असिस्टेंट, स्टेनो (हिन्दी/अंग्रेजी), सिविल इंजीनियरिंग, मानव संसाधन, अकाउंट्स सहित विभिन्न कार्यश्रेणियों में प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। इससे युवाओं को अपनी शैक्षणिक योग्यता के अनुरूप विद्युत उत्पादन एवं कंपनी के विभिन्न कार्यक्षेत्रों की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझने का अवसर मिलेगा।

एक वर्ष की प्रशिक्षण अवधि, प्रशिक्षण के बाद स्टाइपेंड

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद निर्धारित पात्रता के अनुसार अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। चयनित प्रशिक्षणार्थियों को उनके द्वारा चयनित कार्यश्रेणी व जिले के अनुरूप कंपनी के विभिन्न विद्युत गृहों एवं कार्यालयों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ होने के एक माह बाद प्रशिक्षणार्थियों को पात्रता के अनुसार 8 हजार से 10 हजार प्रतिमाह स्टाइपेंड का भुगतान प्रारंभ होगा। प्रशिक्षण की कुल अवधि एक वर्ष निर्धारित है।

18 से 29 वर्ष के मध्यप्रदेश के स्थानीय निवासी कर सकते हैं आवेदन

योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक का मध्यप्रदेश का स्थानीय निवासी होना आवश्यक है। अभ्यर्थी की आयु 18 से 29 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। शैक्षणिक योग्यता के अंतर्गत निर्धारित कार्यश्रेणी के अनुसार 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा अथवा स्नातक उत्तीर्ण होना आवश्यक है। मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के अंतर्गत आवेदन प्रक्रिया 23 सितंबर 2026 से प्रारंभ हो चुकी है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी 15 अक्टूबर 2026 की रात्रि 11:59 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन पोर्टल से ही होगा आवेदन-इच्छुक अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के ऑनलाइन पोर्टल (https://mmsky.mp.gov.in/Web/Candidate/Registration) के माध्यम से आवेदन करना होगा। योजना में पंजीयन के लिए समग्र आईडी एवं आधार की ई-केवाईसी आवश्यक है। अभ्यर्थियों को ध्यान रखना होगा कि मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के अंतर्गत उपलब्ध ये पद प्रशिक्षण हेतु हैं तथा इन्हें नियमित नौकरी अथवा स्थायी रोजगार के रूप में नहीं माना जाएगा। आवेदन से संबंधित किसी भी प्रकार की कठिनाई अथवा जानकारी के लिए अभ्यर्थी अपने संबंधित जिला स्तरीय आईटीआई से संपर्क कर सकते हैं।

अधिकारियों के कार्यों में किया फेरबदल

ग्वालियर, जीएनएस।
कार्यसुविधा एवं प्रशासनिक दृष्टि से अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्यों में फेरबदल किया गया है। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के जारी आदेशानुसार श्री शैलेन्द्र चौहान उप राजस्व निरीक्षक को अपने वर्तमान कार्य के साथ साथ नोडल अधिकारी होर्डिंग शाखा का दायित्व सौंपा गया है तथा श्री अनूप लिटोरिया विधि अधिकारी उपरोक्तानुसार होर्डिंग शाखा के दायित्व से मुक्त रहेगें। इसके साथ ही श्री सतेन्द्र भदौरिया उप राजस्व निरीक्षक को अपने वर्तमान कार्य के साथ साथ नोडल अधिकारी राजस्व का दायित्व सौंपा गया है तथा श्री अनूप लिटोरिया विधि अधिकारी उपरोक्तानुसार राजस्व शाखा के दायित्व से मुक्त रहेगें।

कर संग्रहकों के वार्ड हुए परिवर्तित

साथ ही सम्पत्तिकर करसंग्रहकों के कार्यों में फेरबदल किया गया है। जिसमें श्री रघुवीर सिंह गुर्जर को सम्पत्तिकर कर संग्रहक वार्ड 45, श्री उम्मेद सिंह गुर्जर को सम्पत्तिकर करसंग्रहक वार्ड 42, श्री धर्मेन्द्र सोनी को सम्पत्तिकर करसंग्रहक वार्ड 60 एवं श्री संजय सिंह राजपूत को सम्पत्तिकर करसंग्रहक वार्ड 61 का दायित्व सौंपा गया है।

शौचालय से हटाया कब्जा, अवैध दीवाल को गिराया

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने एवं मुख्य मार्गों को अतिक्रमण मुक्त करने के उद्देश्य से अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशन में अपर आयुक्त श्री प्रदीप सिंह तोमर एवं नोडल अधिकारी मदाखलत श्री केशव सिंह चौहान के मार्गदर्शन में मदाखलत दलों ने अलग-अलग क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए हाथ ठेले, फुटपाथी फड़, दुकानों के बाहर रखा सामान एवं अन्य अतिक्रमण हटवाया।

मदाखलत अधिकारी श्री शैलेंद्र सिंह चौहान के निर्देशन में पूर्व विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत झांसी रोड विक्की फैक्ट्री चौराहे से पहले सरकारी शौचालय में सामान रख कर कब्जा कर लिया गया था। दीवाल की तुड़ाई कर सामान को हटवाकर शौचालय को खाली करवाया। इसके पश्चात जयेंद्रगंज रोशनी घर के पास पार्क के बगल से गली के अंदर चल रहे अवैध निर्माण को बंद करवाया। इसके पश्चात माधव नगर में रोड़ पर रखे पत्थर और लकड़ियों को हटवाया। कार्रवाही के दौरान जोनल ऑफिसर श्री रविंद्र गुर्जर, मदाखलत निरीक्षक श्री सुघर सिंह सिसोदिया व दल पूर्व उपस्थित रहा। दक्षिण विधानसभा अंतर्गत मदाखलत अधिकारी के निर्देशन में महाराज बाड़ा अंतर्गत सुभाष मार्केट, नजरबाग मार्केट, टोपी बाजार, एसबीआई बैंक, हेमू चौक, छापाखाना, स्काउट, गाँधी मार्केट के मुख्य मार्गों से हाथ ठेले, फुटपातियों के फड़ को हटवाया जाकर मुख्य मार्ग क्लियर करवाया गया। उक्त कार्रवाई के दौरान मदाखलत निरीक्षक श्री आजाद खान सहित दल दक्षिण मौके पर उपस्थित रहा। ग्वालियर विधानसभा अंतर्गत मदाखलत अधिकारी के निर्देशन में किलागेट रोड, हजीरा चौराहा, चार शहर का नाका रोड, इंटक मैदान रोड़ सहित विभिन्न स्थानो पर खड़े यातायात में बाधक हाथ ठेलों, सडक पर रखे सामानों एवं अन्य अस्थाई अतिक्रमण को हटवाकर हाथ ठेलो को हॉकर्स जोन के अन्दर भिजवाकर अवागमन मार्ग क्लियर करवाया गया। साथ ही सम्बधितों को उक्त स्थल पर किसी भी प्रकार के हाथ ठेले या अतिक्रमण ना करने की सख्त हिदायत दी गई। उक्त कार्यवाही के दौरान मदाखलत निरीक्षक श्री श्रीकान्त सेन सहित दल उपस्थित रहा।

बिलौआ क्षेत्र में अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई, 5 डंपर जब्त

ग्वालियर। जिले में खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन परिवहन व भंडारण के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस कड़ी में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की निर्देश पर गई राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम द्वारा बिलौआ क्षेत्र में अवैध खनिज परिवहन के प्रकरण में कार्रवाई करते हुए 5 डंपर जब्त किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में उक्त वाहन खनिज के अवैध परिवहन से संबंधित पाए गए। वाहनों को नियमानुसार जब्त कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। वहीं, संबंधित क्षेत्र में अवैध खनन की गतिविधियों के संबंध में खनिज विभाग द्वारा पृथक रूप से जांच की जा रही है। जांच में प्राप्त तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी।

निगम अध्यक्ष श्री तोमर ने किया परिषद कार्यालय का निरीक्षण, पांच कर्मचारी मिले अनुपस्थित

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम अध्यक्ष श्री मनोज तोमर ने जल विहार स्थित परिषद कार्यालय का प्रातः 11 बजे औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों की उपस्थिति चेक की, जिसमें पांच कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। नगर निगम अध्यक्ष श्री मनोज तोमर द्वारा परिषद कार्यालय में किए गए औचक निरीक्षण के दौरान पांच कर्मचारी अनुपस्थित मिले। जिसमें स्टेनो श्री हरीश चन्द्र शुक्ला, श्री महेन्द्र कुमार राजौरिया सहित श्री प्रेम नारायण सविता, श्री अशोक तोमर, एवं भृत्य श्री धर्मेन्द्र कुशवाह अनुपस्थित पाये गए। जिसको लेकर निगम अध्यक्ष श्री तोमर द्वारा सचिव को निर्देशित किया गया कि अनुपस्थित पाये गए सभी कर्मचारियों को नोटिस जारी करें। यदि उनका जवाब संतुष्टिपूर्ण नहीं पाया जाता है तो वेतन काटने की कार्यवाही करें।

अब तक 248 ब्लैक स्पाट हुए खत्म

ग्वालियर, जीएनएस।
ग्वालियर नगर निगम द्वारा शहर को स्वच्छ, सुंदर और कचरा मुक्त बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कचरा ठीया (ब्लैक स्पॉट) हटाने की कार्रवाई लगातार जारी है। इस अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य अमले ने गुरुवार को शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से 8 नए ब्लैक स्पॉट पूरी तरह समाप्त कर दिए हैं। इसके साथ ही नगर निगम अब तक शहर भर में कुल 248 ब्लैक स्पॉट खत्म कर चुका है।

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के सख्त निर्देशों एवं अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की टीम शहर के विभिन्न वार्डों में स्वच्छता अभियान चला रही है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर एकत्र होने वाले कचरे के ढेरों को पूरी तरह समाप्त कर वहां के वातावरण को स्वच्छ और सुंदर बनाना है।

मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार को चलाए गए विशेष सफाई अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गोवर्धन कॉलोनी (भिंड रोड), बलवंत नगर, त्यागी नगर तथा वार्ड क्रमांक 22 में बने ब्लैक स्पॉट को हटाकर जगह को पूरी तरह साफ कराया। इसके अतिरिक्त शब्द प्रताप आश्रम, मेवाती मोहल्ला, सोना गार्डन और वार्ड क्रमांक 38 में बिजली घर के पास स्थित कचरा ठियों को भी साफ किया गया है। कचरा ठियों को साफ करने के साथ-साथ नगर निगम की टीम ने आसपास रहने वाले स्थानीय नागरिकों और दुकानदारों को स्वच्छता बनाए रखने की सख्त समझाइश दी। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि वे खुले में कचरा फेंकने के बजाय नगर निगम की कचरा गाड़ियों में ही अपना गीला , सूखा सेनेट्री वेस्ट और विषेष देखभाल कचरा डालें। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने हिदायत दी है कि यदि साफ किए गए स्थानों पर दोबारा किसी व्यक्ति या स्थानीय नागरिक द्वारा कचरा डाला गया, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी और मौके पर ही भारी जुर्माना वसूला जाएगा।

भिण्ड-गोरमी के समाचार विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

संपादकीय

टैरिफ मसले पर चीन के बजाय हमारे पास विकल्प सीमित हैं

डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस और ईरान पर प्रतिबंधों से जुड़े ग्राहम विधेयक पर हस्ताक्षर कर उसे कानून का रूप दे दिया है। इसके तहत रूस से तेल आयात करने वाले या प्रतिबंधों से बचने में उसकी मदद करने वाले चीन और भारत जैसे देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया जा सकता है। कानून 30 दिन में प्रभावी होगा और संबंधित देशों को इसका पालन करने के लिए 180 दिन का समय दिया गया है।

कानून राष्ट्रपति को यह तय करने का अधिकार देता है कि किन देशों पर टैरिफ लगाया जाए, दर कितनी हो और किन्हें छूट दी जाए। ऐसे में भारत के लिए सबसे खराब स्थिति की तैयारी करना जरूरी है, क्योंकि भारी अमेरिकी टैरिफ का असर भारतीय निर्यात और दोनों देशों के संबंधों पर पड़ सकता है।

भारत ने कहा है कि वह अपने नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और बाजार की परिस्थितियों के अनुसार विभिन्न स्रोतों से तेल खरीदता रहेगा। हालांकि आंकड़े बताते हैं कि रूस पिछले एक वर्ष में भारत की तेल जरूरतों का करीब 30 से 52 प्रतिशत तक हिस्सा पूरा करता रहा है। अगस्त में भारत ने रूस से 85 लाख टन तेल खरीदा, जिसकी कीमत करीब 4.7 अरब डॉलर थी। जुलाई में यह खरीद रिकॉर्ड 110.4 लाख टन रही, जिसकी कीमत 7.3 अरब डॉलर थी।

रूसी तेल से दूरी बनाना भारत के लिए आसान नहीं होगा। पिछले एक दशक का अनुभव भी बताता है कि अमेरिकी प्रतिबंधों का भारत की तेल खरीद पर असर पड़ा है। 2016-17 में भारत की कुल तेल खरीद में वेनेजुएला की हिस्सेदारी 6.7 प्रतिशत थी। अमेरिका द्वारा 2019 में वेनेजुएला पर प्रतिबंध लगाने के बाद 2021-22 तक भारत का वहां से तेल आयात समाप्त हो गया।

ईरान के मामले में भी ऐसा ही हुआ। नवंबर 2018 में अमेरिकी 'अधिकतम दबाव' नीति के तहत प्रतिबंध लगने से पहले ईरान भारत की तेल जरूरतों का करीब 10 प्रतिशत हिस्सा पूरा करता था। प्रतिबंधों के बाद भारत ने वहां से खरीद घटाई और 2020-21 तक आयात शून्य हो गया। मार्च से जून 2026 के बीच सीमित अवधि में ईरानी तेल आयात की अनुमति मिलने के बाद भारत के कुल तेल आयात में ईरान की हिस्सेदारी 1.1 प्रतिशत तक पहुंची।

यूक्रेन युद्ध से पहले भारत रूसी तेल का बड़ा खरीदार नहीं था। रूस पर पश्चिमी प्रतिबंधों के बाद कीमतों में बढ़ोतरी के बीच रूस ने भारत को रियायती दरों पर तेल उपलब्ध कराया और भारत ने अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए वहां से खरीद बढ़ाई। अगस्त 2025 में ट्रम्प प्रशासन ने रूसी तेल खरीदने के कारण भारत पर टैरिफ 25 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया था। इसके बाद भारत ने रूस से तेल खरीद कम करना शुरू किया, लेकिन बाद में इसमें फिर बढ़ोतरी हुई।

इस पूरे मामले में चीन की स्थिति भारत से अलग है। चीन के पास रेयर अर्थ और मैग्नेट के निर्यात पर नियंत्रण जैसे विकल्प हैं, जिनका असर अमेरिका के इलेक्ट्रिक वाहन, रोबोटिक्स और रक्षा उद्योग पर पड़ सकता है। इसके अलावा चीन अमेरिकी दवा उद्योग के लिए आवश्यक बड़ी मात्रा में सक्रिय औषधीय सामग्री की आपूर्ति करता है। भारत के पास चीन जैसे व्यापक प्रतिरोधी विकल्प सीमित हैं। इसलिए रूस से तेल खरीद और अमेरिकी टैरिफ के बीच संतुलन बनाना भारत के लिए जटिल चुनौती है।

श्राद्ध की थाली और वृद्ध आंखों की खामोशी

श्राद्ध पक्ष आते ही घरों में पितृों को याद करने की परंपरा शुरू हो जाती है। उनके नाम पर पकवान बनाए जाते हैं, ब्राह्मण भोज कराया जाता है, दान दिया जाता है और श्रद्धा के साथ पूर्वजों का स्मरण किया जाता है। हमारी संस्कृति में पितृ स्मरण का अपना गहरा महत्व है। यह हमें अपनी जड़ों, अपने पूर्वजों और उनके प्रति कृतज्ञता का भाव याद दिलाता है।

लेकिन इसी परंपरा के बीच एक सवाल मन को भीतर तक झकझोरता है, जिन माता-पिता को हम जीवन भर अपने हाथों से भोजन नहीं करा सके, उनकी सेवा नहीं कर सके, उन्हें समय नहीं दे सके, उनके अकेलेपन को नहीं समझ सके, उनके जाने के बाद उनके नाम पर इतने बड़े भोज का क्या अर्थ है?

जिस मां ने बचपन में हमारी थाली में अपनी पसंद का निवाला भी रख दिया, क्या उसे बुढ़ापे में अपनी थाली के लिए संतान का इंतजार करना चाहिए? जिस पिता ने अपनी जरूरतें रोककर बच्चों की जरूरतें पूरी कीं, क्या वृद्धावस्था में उन्हें अपने ही घर में बोझ समझा जाना चाहिए? यह सवाल किसी एक परिवार का नहीं, पूरे समाज का है।

हमारे आसपास कितने वृद्ध ऐसे हैं जो आज भी काम करने को मजबूर हैं। कोई सड़क किनारे सामान बेच रहा है, कोई दुकान के बाहर बैठा है, कोई मजदूरी कर रहा है, कोई हाथ फैलाकर मदद मांग रहा है। कोई वृद्धाश्रम में जीवन की आखिरी शामें काट रहा है। आखिर ये लोग कौन हैं? क्या ये किसी दूसरे ग्रह से आए हैं? इनमें भी किसी की मां होगी, किसी का पिता होगा, किसी का वह बुजुर्ग होगा जिसने कभी अपने बच्चों को गोद में खिलाया होगा।

फिर सवाल उठता है कि हम अपने पितरों से प्रेम करते हैं तो जीवित बुजुर्गों के प्रति हमारी संवेदना इतनी कमजोर क्यों हो गई?

श्राद्ध में बनाए गए पकवान अगर किसी जरूरतमंद बुजुर्ग की थाली तक पहुंच जाएं तो शायद उस भोजन का अर्थ और बड़ा हो जाए। पितरों के नाम पर किया गया दान यदि किसी अकेली मां की दवा खरीद दे, किसी वृद्ध पिता के लिए गर्म कपड़ा बन जाए या किसी बेसहारा बुजुर्ग के चेहरे पर मुस्कान ला दे, तो शायद श्रद्धा का उद्देश्य ज्यादा सार्थक हो।

पितृ पक्ष हमें केवल मृत पूर्वजों को याद करने के लिए नहीं, बल्कि यह सोचने के लिए भी आया है कि हमारे आसपास कितने जीवित पितर अपनी संतान के इंतजार में बैठे हैं।

हम अक्सर कहते हैं कि माता-पिता भगवान का रूप हैं। लेकिन भगवान की पूजा के लिए हम मंदिर खोजते हैं और माता-पिता की सेवा के लिए हमारे पास समय नहीं होता। उनके साथ बैठने के लिए दस मिनट नहीं, लेकिन उनके निधन के बाद उनके नाम पर घंटों के भोज और आयोजन के लिए समय मिल जाता है।

यह कैसी श्रद्धा है? अगर माता-पिता के जीवित रहते उनके लिए एक गिलास पानी देने में हमें परेशानी होती है और उनके मरने के बाद उनके नाम पर दर्जनों पकवान बनते हैं, तो हमें अपने कर्मकांड से ज्यादा अपने अंतर्मन का श्राद्ध करने की जरूरत है, उस संवेदनहीनता का श्राद्ध, जिसने हमें अपने ही बुजुर्गों से दूर कर दिया।

पितृों को हमारे दिखावे की आवश्यकता नहीं है। उन्हें हमारी श्रद्धा चाहिए, लेकिन श्रद्धा का सबसे सुंदर रूप कर्म है।

जीते जी मां-बाप की थाली में प्रेम से परोसी गई एक रोटी, उनके लिए बनाए गए हजार पकवानों से बड़ी हो सकती है। उनके अकेलेपन में दिया गया एक घंटा, मृत्यु के बाद किए गए बड़े-बड़े आयोजनों से अधिक मूल्यवान हो सकता है।

इस श्राद्ध पक्ष में जब हम अपने पितृों के लिए भोजन बनाएं तो एक बार अपने घर के उस बुजुर्ग की ओर भी देख लें, जो चुपचाप हमारी ओर देख रहा है। पूछ लें, ÷बाबा, खाना खाया?÷ ÷मां, आपको कुछ चाहिए?÷

शायद यही वह श्राद्ध है जिसकी हमारे समाज को सबसे ज्यादा जरूरत है। क्योंकि पितृों को प्रसन्न करने का सबसे सच्चा रास्ता उनके नाम पर पकवान बनाना नहीं, बल्कि उनके दिए संस्कारों को जीवित रखना है।

और सबसे बड़ा पितृ तर्पण शायद यही है, जिस मां-बाप ने हमें जीते जी खिलाया, उन्हें हम जीते जी भरपेट खिला सकें; जिन्होंने हमें संभाला, बुढ़ापे में हम उन्हें संभाल सकें; और जिनके आशीर्वाद से हमारा घर बना, उस घर में उनके लिए सम्मान की जगह हमेशा बनी रहे। मृत्यु के बाद किया गया श्राद्ध परंपरा हो सकता है, लेकिन जीते जी की गई सेवा ही सच्ची श्रद्धांजलि है।

प्राचीन विवाह की रस्में : हमारी सांस्कृतिक विरासत

डॉ. विजय गर्ग

विवाह केवल दो व्यक्तियों के बीच एक सामाजिक बंधन नहीं होता, बल्कि यह किसी समाज की संस्कृति, परंपराओं और जीवन-मूल्यों का दर्पण भी होता है। पुराने समय में विवाह सामाजिक जीवन से गहराई से जुड़े होते थे। प्रत्येक रस्म, परंपरा और रीति-रिवाज के पीछे कोई न कोई अर्थ होता था और परिवार दो व्यक्तियों के मिलन को सामूहिक रूप से मनाते थे।

प्राचीन विवाह की रस्में अक्सर सरल, अर्थपूर्ण और स्थानीय परंपराओं से जुड़ी होती थीं। इनमें बुजुर्गों के सम्मान, पारिवारिक संबंधों की महत्ता, सामाजिक सहयोग और जिम्मेदारी की भावना दिखाई देती थी।

विवाह सामूहिक सामाजिक आयोजन होते थे

पारंपरिक समाज में विवाह केवल दूल्हा, दुल्हन और उनके निकट परिवारों तक सीमित नहीं होते थे। रिश्तेदार, पड़ोसी और गांव या समुदाय के अन्य लोग भी विवाह की तैयारियों और समारोहों में शामिल होते थे। कोई भोजन बनाने में मदद करता, कोई सजावट में और कोई संगीत तथा विभिन्न रस्मों में अपना योगदान देता था।

यह सामूहिक भागीदारी लोगों में अपनत्व की भावना पैदा करती थी। विवाह ऐसा अवसर बन जाता था, जहां पुराने रिश्ते फिर मजबूत होते और सामाजिक एकता अधिक गहरी होती थी।

अर्थपूर्ण रस्में और परंपराएं

कई पारंपरिक विवाह रस्मों के पीछे गहरे सामाजिक और पारिवारिक संदेश होते थे। बुजुर्गों द्वारा दी गई शुभकामनाएं और आशीर्वाद पीढ़ियों के बीच सम्मान और निरंतरता का प्रतीक माने जाते थे। परिवार के सदस्यों की भागीदारी यह दर्शाती थी कि विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का मिलन भी है।

पारंपरिक गीत, लोकनृत्य और विवाह से जुड़े सामूहिक आयोजन लोक इतिहास तथा सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम भी थे।

बुजुर्गों की भूमिका

प्राचीन विवाह समारोहों में बुजुर्गों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती थी। उनके आशीर्वाद को अनुभव, ज्ञान और पारिवारिक निरंतरता का प्रतीक माना जाता था।

कई समुदायों में महत्वपूर्ण रस्में बुजुर्गों की उपस्थिति में पूरी की जाती थीं। वे युवा पीढ़ी को पारिवारिक जिम्मेदारियों, आपसी सम्मान और रिश्तों को निभाने के महत्व के बारे में मार्गदर्शन देते थे।

पारंपरिक भोजन और अतिथि-सत्कार

भोजन भी पारंपरिक विवाहों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता था। भोजन अक्सर रिश्तेदारों और पड़ोसियों द्वारा मिल-जुलकर तैयार किया जाता था। अतिथि-सत्कार को परिवार की प्रतिष्ठा और संस्कृति का हिस्सा माना जाता था।

विभिन्न क्षेत्रों के पारंपरिक व्यंजन वहां की कृषि, जलवायु और खान-पान की संस्कृति को दर्शाते थे। ये व्यंजन केवल भोजन का हिस्सा नहीं थे, बल्कि स्थानीय पहचान और आत्मीय अतिथि-सत्कार की अभिव्यक्ति भी थे।

लोकगीत और संगीत

पारंपरिक विवाह गीत हमारी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। पंजाब में विवाहों से जुड़े लोकगीतों में खुशी, प्रेम, हास्य, बिछड़ने की भावना, पारिवारिक संबंधों और विवाह से जुड़ी विभिन्न भावनाओं की सुंदर अभिव्यक्ति मिलती है।

आधुनिक मनोरंजन के साधनों के व्यापक होने से पहले ये गीत अक्सर महिलाएं और परिवार के सदस्य मिलकर गाते थे। ये गीत मनोरंजन के साथ-साथ सांस्कृतिक परंपराओं को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम भी थे।

सादगी और सामूहिक जिम्मेदारी

पुराने समय में अनेक विवाह सीमित साधनों के साथ सादगीपूर्वक आयोजित किए जाते थे। परिवार महंगे व्यावसायिक प्रबंधों के बजाय रिश्तेदारों और समुदाय की सामूहिक सहायता पर निर्भर रहते थे।

पड़ोसी और रिश्तेदार अपनी मेहनत, कौशल और समय से सहयोग करते थे। यह सामूहिक भावना दर्शाती थी कि खुशी मनाने के लिए हमेशा अत्यधिक खर्च और दिखावे की आवश्यकता नहीं होती।

बदलते समय के साथ बदलती परंपराएं

शहरीकरण, तकनीक, प्रवास और बदलती जीवनशैली ने विवाह की परंपराओं को काफी बदल दिया है। आज के विवाहों में इवेंट प्लानर, भव्य सजावट, डेस्टिनेशन वेडिंग, डिजिटल निमंत्रण, पेशेवर फोटोग्राफी और सोशल मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। कुछ पुरानी रस्में लगभग समाप्त हो गई हैं, जबकि कुछ को आधुनिक जीवनशैली के अनुरूप बदल दिया गया है। संस्कृति में परिवर्तन स्वाभाविक है, लेकिन अर्थपूर्ण परंपराओं का पूरी तरह लुप्त हो जाना हमें अपने इतिहास से जुड़ी महत्वपूर्ण कड़ियों से दूर कर सकता है।

केवल रस्म नहीं, उसके अर्थ को बचाएं : सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने का अर्थ यह नहीं है कि हर पुरानी रस्म को बिल्कुल उसी रूप में दोहराया जाए, जिस रूप में वह अतीत में निभाई जाती थी। कुछ परंपराएं आधुनिक समाज के लिए उपयुक्त नहीं रह गई हो सकती हैं, जबकि कुछ अपना मूल संदर्भ खो चुकी हैं।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

श्री रामलीला समारोह समिति द्वारा आयोजित श्रीरामलीला के मंचन हेतु भूमि पूजन सम्पन्न

श्री रामलीला समारोह समिति (रजि.) लश्कर, ग्वालियर के अन्तर्गत रामलीला समारोह का 80वां भूमि पूजन, संत कृपाल सिंह जी महाराज के मुख्य आतिथ्य में समिति के अध्यक्ष राधेश्याम भाकर,रमेश अग्रवाल, अशोक शर्मा द्वारा रामलीला मैदान (फूलबाग प्रांगण) में गैती लगाकर संपन्न हुआ । भूमि का विधिवत पूजन विजय गोयल,राजकुमार गुप्ता,बी.एस. राजपूत, तथा रमेश चैरसिया द्वारा केदारपुर के आचार्य संजीव शास्त्री तथा उनके सहयोगी आर्चायों द्वारा मंत्रोचार के साथ कराया गया। इव अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि श्रीराम का चरित्र जन-जन तक पहुचाने का कार्य रामलीला करती है । जिस तरह भगवान राम ने राम राज्य की स्थापना की थी उसी प्रकार राम राज्य की कल्पना को साकार करना होगा । रामलीला समिति के अध्यक्ष राधेश्याम भाकर ने कहा कि देश की धार्मिक संस्कृति को बचाने के लिए इस तरह के आयोजन समिति द्वारा पिछले 79 वर्षो से किये जा रहे है। हमारा प्रयास है कि भगवान राम का चरित्र का प्रचार प्रसार घर घर तक हो। पूर्व सांसद एवं पूर्व महापौर विवेक नारायण शेजवलकर ने अपने संबोधन में कहा कि श्रीराम ने सदैव सत्य और धर्म का पालन किया और राजा के रूप में प्रजा के हित और न्याय को महत्व दिया । रामलीला का सभी शहर वासियों को इंतजार रहता है। साडा अध्यक्ष अशोक शर्मा ने कहा कि रामराज्य का आदर्श प्रजा के सुख,न्याय और कल्याण पर आधारित माना जाता हैं उन्होने व्यक्तिगत सुख से अधिक उन्होने अपने कर्तव्य को महत्व दिया ।

भूमि पूजन के पश्चात सदस्यों द्वारा मान. मुख्य अतिथि संत कृपाल सिंह जी का माल्यापर्ण कर उनका स्वागत किया । कार्यक्रम संयोजक पूर्व विधायक श्री रमेश अग्रवाल ने रामलीला में होने वाले कार्यक्रमो के बारे में विस्तार से जानकारी दी। भूमि पूजन के कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री राधेश्याम भाकर ने तथा स्वागत भाषण मयंक गर्ग ने किया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री विजय गोयल तथा आभार व्यक्त रमेश चैरसिया द्वारा किया गया । 09 अक्टूबर से श्रीरामलीला समारोह का शुभारंभ सांयकाल 06 बजे से सुन्दरकाण्ड पाठ तथा गणेश पूजन के साथ किया जायेगा। इस वर्ष श्री रामलीला समारोह का भव्य आयोजन दिनांक 10 अक्टूबर 2026 से 21 अक्टूबर 2026 तक रात्रि 08 बजे से स्वामी श्री चंद बिहारी वशिष्ठ एवं देवेन्द्र वशिष्ठ के निर्देशन में श्री हित राधा कृष्ण कला मण्डल की मंडली, वृंदावन द्वारा लीला मंचन किया जायेगा । भूमि पूजन के अवसर पर समिति के अध्यक्ष राधेश्याम भाकर,रमेश अग्रवाल, विजय गोयल,सत्य कुमार मिश्रा,मयंक गर्ग,रमेश अग्रवाल, विजय गर्ग, राजकुमार गुप्ता, विवेक नारायण शेजवलकर,गिर्राज अग्रवाल, रामनारायण मिश्रा, गुड्डू वारसी पूर्व पार्षद,उमाशंकर सोनी,पीताम्बर लोकवानी,सुधीर गुप्ता,प्रदीप पाराशर, अशोक शर्मा, क्षेत्रीय पार्षद अर्पणा पाटिल, ओमप्रकाश अग्रवाल,बारे लाल जाटव, संग्राम सिंह कदम,बालखाण्डे, बी.एस. राजपूत, अजय गोयल,अभय पापरीकर,अमर कुटे, कोशलेन्द्र राजावत, आनंद सावत, जितेन्द्र जयसवाल, श्रीमती रूचिका श्रीवास्तव, प्रियंका गर्ग,अजय पाटिल, पार्षद यामिनी परांडे,नवीन परांडे, ऊषा चैहान,सरोज मिश्रा,सपना पाल, संगीता पाल,किरण भदौरया,अनिल सांखला पार्षद,नवीन परांडे, सुमन शर्मा,सरोज मिश्रा,अलका श्रीवास्तव,कमलेश कौरव,आर.डी.शर्मा,पुरूषोत्तम गुप्ता, संजय जैन,विशाल जैन, मुक्तेश जेन, डॉ. नरेश देव, विनोद गोयल,प्रकाश नारायण शर्मा,संतोश शर्मा, विजय फाल्के,जयंत जपे, राकेश रायजादा,आशीष प्रताप सिंह राठोर, रवि आनंद गौड,संजय शर्मा,(महलगांव) धमेन्द्र शर्मा,सुरेन्द्र परमार चच्चू, अर्जुन जाटव,नरेन्द्र सिंघल,पुरूषोत्तम भार्गव, भूपेन्द्र प्रेमी,अशोक प्रेमी,इन्द्र जीत चैहान,संजय कट्ठल,रामसुन्दर रामू,विनोद गोयल, राजीव चड्ढा, महेन्द्र भदकारिया,आनंद शर्मा, सतीश साहू, विजय अग्रवाल, रामेश्वर भदौरिया,मंगल चोबे,संतोष दास,शीतल अग्रवाल,राजीव माहेश्वरी,राकेश माहेश्वरी,नवल ओझा,धीरज गोयल,,अशोक कौरव,सुरेश शर्मा,प्रदीप अवस्थी,श्याम सिंह चैहान,रणविजय सिंह कुशवाह,अनूप तिवारी, राजू फ्रांसिस,पुरूषोत्तम गुप्ता,जितेन्द्र चोपड़ा,वीर सिंह तोमर,संजय शाडिल्य,हरिपाल, राजेश भदौरिया, जगदीश उपाध्याय,सुनील राय, सतीश अग्रवाल, शैलेन्द्र माहौर, आदि लोग भारी संख्या मे उपस्थित थे।

गुलमोहर एन्क्लेव सोसायटी कार्यालय में धूमधाम से मनाया गया पूर्व अध्यक्ष विजेन्दर गिरी का जन्मदिन

गाजियाबाद, जीएनएस। राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एन्क्लेव सोसायटी के आरडब्ल्यूए कार्यालय में शुक्रवार को सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्य विजेन्दर गिरी का जन्मदिन धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों, बोर्ड सदस्यों एवं कार्यालय स्टाफ ने केक कटवाकर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान सोसायटी की पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान कार्यकारिणी सदस्य रश्मि चौधरी ने विजेन्दर गिरी को बुके भेंट कर जन्मदिन की बधाई दी और उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इस दौरान मौजूद सभी लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सोसायटी के विकास और निवासियों के हितों के लिए उनका योगदान हमेशा महत्वपूर्ण रहा है। इस अवसर पर पूर्व सचिव ए.के. दोहरे, कोषाध्यक्ष किंशुक बंसल, कार्यकारिणी सदस्य एडवोकेट राजकिशोर शर्मा सहित बोर्ड के अन्य सदस्य एवं आरडब्ल्यूए कार्यालय का स्टाफ मौजूद रहा। केक काटने के दौरान सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी साझा की और विजेन्दर गिरी के उज्ज्वल भविष्य एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। जन्मदिन समारोह के दौरान सोसायटी कार्यालय में सौहार्दपूर्ण और खुशनुमा माहौल देखने को मिला। विजेन्दर गिरी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आत्मीय सम्मान और शुभकामनाओं से वह अभिभूत हैं। उन्होंने सोसायटी के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों और स्टाफ का धन्यवाद किया।

सीएमओ ने अनंतचतुर्दशी की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया

गुना, जीएनएस। मुख्य नगर पालिका अधिकारी शैलेश अवस्थी ने आज सिंगवासा तालाब पहुंचकर अनंत चतुर्दशी पर श्री गणेश प्रतिमा विसर्जन की तैयारियों का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने विसर्जन कुंड जाकर विसर्जन कुंड का निरीक्षण किया, जहां नागरिकों द्वारा पूजन सामग्री जो की सिंगवासा तालाब पर विसर्जन हेतु दी जाती है, उसे पूरी श्रद्धा के साथ विसर्जन कुंड में विसर्जित किया जाता है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी शैलेश अवस्थी ने बताया कि कैंट में परंपरागत रूप से मनाई जाने वाले अनंत चतुर्दशी महोत्सव का की तैयारी नगर पालिका द्वारा कराई गई है, जहां नागरिक श्रद्धापूर्वक कैंट में आयोजित होने वाले महोत्सव का आनंद ले सकें। साथ ही सिंगवासा तालाब पर पूर्ण श्रद्धा के साथ श्री गणेश प्रतिमा का विसर्जन करें एवं छोटे बच्चों को पाने के नजदीक न जाने दें। प्रशासन द्वारा जो व्यवस्थाएं बनाई गई है उनका पालन करें। जिला प्रशासन एवं नगर पालिका प्रशासन को सहयोग करें जिससे अनंत चतुर्दशी का त्यौहार पूर्ण आस्था एवं श्रद्धा के साथ मनाया जा सके। निरीक्षण के दौरान सहायक यंत्री सुनील कुमार जैन, उपयंत्री रामवीर शर्मा, स्थल प्रभारी विवेक श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

सरस्वती विद्यापीठ एवं तात्या टोपे स्मारक पर गूंजा 'वन्दे मातरम्

शिवपुरी, जीएनएस। राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं सांस्कृतिक चेतना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली के आह्वान पर शुक्रवार को देशभर में एक साथ, एक स्वर और एक समय पर 'वन्दे मातरम्' का सामूहिक गायन किया गया। 'नमामि भारतम्' कार्यक्रम के अंतर्गत वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस राष्ट्रव्यापी आयोजन में शिवपुरी में भी विभिन्न स्थानों पर सामूहिक रूप से वन्दे मातरम् का गायन किया गया।

शिवपुरी में मुख्य आयोजन सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय एवं तात्या टोपे स्मारक पर हुआ, जहां निर्धारित समय प्रातः 11 बजे उपस्थित जनसमुदाय ने एक स्वर में वन्दे मातरम् का गायन किया। सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इसके पश्चात मां सरस्वती एवं भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर सरस्वती वंदना की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, आदर्श नगर के प्राचार्य श्री सुदामा प्रसाद चूड़ीकर, चिकित्सा अधिकारी के रूप में श्री योगेश शर्मा, पर्यवेक्षक के रूप में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2, शिवपुरी के व्याख्याता श्री मनीष शर्मा तथा मुख्य वक्ता के रूप में सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश, भोपाल के सम्माननीय सदस्य एवं विद्या भारती के शिवपुरी जिला प्रतिनिधि श्री कुंज बिहारी चतुर्वेदी उपस्थित रहे। मंचासीन अतिथियों का परिचय विद्यालय के प्राचार्य श्री लोकेंद्र सिंह मेवाड़ा ने कराया। विद्यालय के आचार्य श्री पुरुषोत्तम शर्मा एवं श्री कपिल रावत द्वारा अतिथियों का श्रीफल एवं अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया।

सफलता की कहानी: मेहनत को मिला मुद्रा का सहारा, हरीराम ने बुन दिया आत्मनिर्भरता का ताना-बाना

ग्वालियर, जीएनएस। सपनों को आकार देने के लिए हौसला, मेहनत और सही समय पर मिला सहयोग की जरूरत होती है। हरीराम नामदेव के आत्मनिर्भर बनने की दास्तां इसी विश्वास की मिसाल है। छोटी सी कपड़ा दुकान से शुरू हुआ उनका सफर आज विस्तार की नई ऊंचाइयां छू रहा है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से मिली मदद ने उन्हें सफलता के सोपान तक पहुँचाया है। श्री हरीराम नामदेव ग्वालियर जिले के मोहना कस्बे के निवासी हैं । मोहना में ÷हरीराम मेसर्स हरिराम धनाराम क्लॉथ सेंटर÷ के नाम से उनकी दुकान है। हरीराम के मन में कारोबार बढ़ाने की इच्छा तो थी, लेकिन पूंजी की कमी आड़े आ रही थी। इसी दौर में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना उनका सहारा बनी। इस योजना के तहत उन्हें 22 लाख 50 हजार रुपए का ऋण केनरा बैंक से मंजूर हुआ। यहीं से उनकी सफलता की नई उड़ान शुरू हो गई। बढ़ी हुई कार्यशील पूंजी से हरीराम ने कारोबार का दायरा तेजी से बढ़ाया। आज उनका प्रतिष्ठान लगभग 5 लाख रुपए प्रतिमाह का व्यापार कर रहा है। इस विस्तार के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी बने हैं। हरीराम कहते हैं कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में युवाओं और छोटे उद्यमियों को स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता के अवसर देने पर निरंतर जोर दिया गया है। मुद्रा योजना हम जैसे जरूरतमंदों के लिये इसी संकल्प का सशक्त माध्यम बनी है। हरीराम नामदेव की कहानी उन तमाम छोटे कारोबारियों और युवाओं के लिए प्रेरणा है जो अपने हुनर और परिश्रम के बल पर आगे बढ़ना चाहते हैं। उनकी आत्मनिर्भरता की कहानी संदेश देती है कि सपने बड़े हों, मेहनत निरंतर हो और अवसर का सही उपयोग किया जाए, तो आत्मनिर्भरता की राह खुद-ब-खुद आसान हो जाती है। हरीराम जैसे नव उद्यमियों की सफलता सरकार द्वारा वर्तमान में चलाए जा रहे सेवा-संकल्प अभियान की संकल्पना को सार्थक रूप प्रदान कर रही है।

डेटा नहीं चाहिए तो उसका पैसा क्यों?

ट्राई के नए विनियम से केवल कॉल-एसएमएस चाहने वाले उपभोक्ताओं के लिए बढ़ेंगे विकल्प; बुजुर्गों, फीचर फोन और दूसरे सिम वाले ग्राहकों को मिल सकती है राहत

वैश्विक स्तरपर भारत में मोबाइल फोन आज केवल संचार का साधन नहीं, बल्कि रोजमर्रा के जीवन की अनिवार्य आवश्यकता बन चुका है, लेकिन दूरसंचार बाजार में पिछले कुछ वर्षों में एक ऐसी स्थिति बनी जिसमें केवल बातचीत और संदेश सेवा चाहने वाले उपभोक्ताओं को भी प्रायः इंटरनेट डेटा सहित रिचार्ज पैक खरीदना पड़ता था।विशेष रूप से बुजुर्ग,फीचर फोन उपयोगकर्ता ग्रामीण और सीमित आय वाले परिवार, घर में वाई-फाई का इस्तेमाल करने वाले लोग तथा दूसरा मोबाइल नंबर केवल सक्रिय रखने वाले ग्राहक लंबे समय से ऐसे विकल्पों की आवश्यकता महसूस कर रहे थे जिनमें वे उस डेटा के लिए भुगतान न करें जिसका वे इस्तेमाल ही नहीं करते। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र इस आर्टिकल के माध्यम से यह जानकारी देना चाहूंगा कि, इसी पृष्ठभूमि में भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण यानी ट्राई ने 22 सितंबर 2026 को दूरसंचार उपभोक्ता संरक्षण (तेरहवां संशोधन) विनियम, 2026 जारी किया है।ट्राई की आधिकारिक सूची में इस संशोधन की जारी करने की तारीख 22 सितंबर 2026 दर्ज है।अप्रैल 2026 में जारी इसके मसौदे में यह व्यवस्था प्रस्तावित की गई थी कि विनियम राजपत्र में प्रकाशन के 30 दिन बाद प्रभावी होंगे और सेवा प्रदाताओं को वॉइस तथा एसएमएस के लिए अलग विशेष शुल्क वाउचर उपलब्ध कराने होंगे।इस कदम का मूल उद्देश्य उपभोक्ता को यह अधिकार और विकल्प देना है कि यदि उसे इंटरनेट डेटा नहीं चाहिए तो केवल कॉल और संदेश के लिए उपयुक्त पैक चुन सके।वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण महाशक्ति के रूप में भारत का उदय मेक इन इंडिया पहल और मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग स्कीम जैसी दूरदर्शी सरकारी नीतियों के चलते भारत ने इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक आत्मनिर्भरता हासिल की है।बता दें कि 24 सितंबर 2026 को केंद्रीय मंत्री और इलेक्ट्रॉनिक्स सचिव के आधिकारिक बयानों के अनुसार, भारत अब अपनी घरेलू मांग का लगभग 99.2 प्रतिशत मोबाइल फोन देश में ही बना या असेंबल कर रहा है। देश में हर साल करीब 32 से 33 करोड़ मोबाइल हैंडसेट का बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जा रहा है, जिसने भारत को कभी दुनिया के सबसे बड़े आयातक देशों की सूची से हटाकर अब एक विनिर्माण केंद्र में बदल दिया है।

साथियों, इस परिवर्तन को समझने के लिए इसकी पृष्ठभूमि देखना आवश्यक है।ट्राई ने दिसंबर 2024 के बारहवें संशोधन के माध्यम से पहले ही वॉइस और एसएमएस वाले विशेष शुल्क वाउचर की व्यवस्था की थी,लेकिन व्यवहार में ऐसे विकल्पों की उपलब्धता अपेक्षाकृत सीमित रही।ट्राई की आधिकारिक जानकारी के अनुसार वॉइस और एसएमएस मात्र वाले पैक ऐसे प्रीपेड प्लान हैं जिनमें इंटरनेट डेटा शामिल नहीं होता और इनकी वैधता 365 दिन तक हो सकती है। समस्या यह थी कि बाजार में कॉल एसएमएस और डेटा को एक साथ जोड़ने वाले अनेक पैक तथा अलग- अलग अवधि के विकल्प उपलब्ध थे, जबकि केवल कॉल और संदेश चाहने वाले ग्राहकों के सामने तुलनात्मक रूप से कम विकल्प थे। अप्रैल 2026 में ट्राई ने इसी स्थिति में सुधार के लिए तेरहवें संशोधन का मसौदा सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किया था और विभिन्न उपभोक्ता संगठनों, उद्योग संस्थाओं तथा रिलायंस जियो, भारती एयरटेल औरवोडाफोन आइडिया जैसे सेवा प्रदाताओं से टिप्पणियां प्राप्त की थीं। यानी यह फैसला अचानक नहीं आया, बल्कि कई महीनों की नियामकीय परामर्श प्रक्रिया के बाद सामने आया है।

साथियों, नए नियामकीय ढांचे की सबसे महत्वपूर्ण अवधारणा यह है कि वॉइस और एसएमएस चाहने वाले ग्राहक को डेटा खरीदने के लिए बाध्य न होना पड़े और उसे संबंधित वैधता अवधि में अलग विकल्प उपलब्ध हो। अप्रैल में प्रकाशित आधिकारिक मसौदे में प्रस्ताव था कि सेवा प्रदाता जिस- जिस वैधता अवधि में वॉइस, एसएमएस और डेटा वाला विशेष शुल्क वाउचर उपलब्ध कराता है, उसी के अनुरूप वॉइस और एसएमएस मात्र वाला विशेष शुल्क वाउचर भी उपलब्ध कराए। इतना ही नहीं, डेटा हटाए जाने के कारण संबंधित पैक के शुल्क में भी मोटे तौर पर आनुपातिक कमी रखने का प्रस्ताव किया गया था।सरल शब्दों में समझें तो यदि किसीकंपनी के पास किसी निश्चित अवधि का कॉल, एसएमएस और डेटा वाला पैक है,तो नियामकीय व्यवस्था का उद्देश्यउसी प्रकार की अवधि में बिना डेटा का विकल्प उपलब्ध कराना है। इससे ग्राहक के सामने वास्तविक चुनाव की गुंजाइश बढ़ेगी और दूरसंचार बाजार में जिस सेवा का उपयोग नहीं, उसका भुगतान क्यों? जैसे बुनियादी उपभोक्ता प्रश्न का समाधान करने का प्रयास होगा।

साथियों, हालांकि यहां एक महत्वपूर्ण तथ्य समझना आवश्यक है,ट्राई ने सभी मोबाइल रिचार्ज सस्ते करने की कोई सार्वभौमिक कीमत तय नहीं की है। इसलिए यह कहना उचित नहीं होगा कि प्रत्येक ग्राहक का मासिक मोबाइल बिल निश्चित रूप से घट जाएगा। राहत मुख्यतः उन ग्राहकों को मिलने की संभावना है जिन्हें इंटरनेट डेटा की आवश्यकता नहीं है और जो अब तक डेटा सहित पैक खरीदते रहे हैं। यदि किसी उपभोक्ता को प्रतिदिन इंटरनेट डेटा चाहिए तो उसके लिए मौजूदा डेटा आधारित योजनाओं की उपयोगिता बनी रहेगी। दूसरी ओर,यदि घर के किसी बुजुर्ग का फोन केवल कॉल के लिए इस्तेमाल होता है,किसी परिवार ने आपातकालीन संपर्क के लिए दूसरा सिम रखा है, कोई व्यक्ति मोबाइल इंटरनेट के बजाय वाई-फाई पर निर्भर है अथवा कोई फीचर फोन इस्तेमाल करता है, तो ऐसे उपभोक्ताओं के लिए बिना डेटा वाले विकल्प अधिक उपयोगी हो सकते हैं। इसलिए इसे पूरे मोबाइल बाजार में कीमत घटाने वाला फैसला कहने की जगह उपभोक्ता विकल्प और शुल्क की तार्किकता बढ़ाने वाला नियामकीय हस्तक्षेप कहना सटीक होगा।

साथियों, इस फैसले का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू वैधता अवधि से जुड़ा है। उपभोक्ताओं की पुरानी शिकायतों में से एक यह रही है कि महीने के सामान्य अर्थ और 28 दिन की दूरसंचार वैधता में अंतर होने के कारण उन्हें वर्ष में सामान्य बारह मासिक भुगतानों की तुलना में अधिक बार रिचार्ज करना पड़ सकता है।नई व्यवस्था काव्यापक उद्देश्य केवल लंबी अवधि वाले बिना डेटा पैकों तक विकल्प सीमित न रहने देना, बल्कि अलग-अलग वैधताओं में उपभोक्ता की पसंद बढ़ाना है। साथ ही लंबे समय के वॉइस-एसएमएस विकल्प भी प्रासंगिक बने रहेंगे। ट्राई स्वयं स्पष्ट करता है कि वॉइस और एसएमएस मात्र वाले प्लान की वैधता 365 दिन तक हो सकती है। इसका अर्थ है कि अलग-अलग जरूरतों वाले उपभोक्ता चाहे अल्प अवधि का पैक चाहें अथवा लंबी अवधि का अपने उपयोग के अनुरूप योजना चुनने की बेहतर स्थिति में सटीकता से आ सकते हैं।

साथियों, इस नियामकीय बदलाव का सीधा प्रभाव भारत के प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाताओं की शुल्क रणनीति पर पड़ सकता है। कंपनियों को अब डेटा आधारित पैकों के समानांतर बिना डेटा वाले विकल्पों को अधिक व्यवस्थित तरीके से तैयार और प्रदर्शित करना पड़ सकता है। इससे दूरसंचार बाजार में प्रतिस्पर्धा का एक नया क्षेत्र विकसित हो सकता है,जहां मुकाबला केवल कितना डेटा मिलेगा पर नहीं बल्कि बिना अनावश्यक सेवा के ग्राहक को कितनी किफायती मूल संचार सुविधा मिलेगी पर भी केंद्रित होगा। हालांकि कंपनियों के लिए राजस्व, नेटवर्क निवेश और औसत प्रति ग्राहक आय जैसे व्यावसायिक पहलू भी महत्वपूर्ण हैं।

शैक्षिक पूंजी : भारत को केवल महंगे कैंपस नहीं, बल्कि किफायती कॉलेजों की जरूरत है

डॉ. विजय गर्ग

शिक्षा किसी भी देश की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी होती है। सड़कें, इमारतें, उद्योग और तकनीक देश की प्रगति को गति दे सकते हैं, लेकिन ज्ञानवान, कुशल और जिम्मेदार नागरिकों के बिना यह प्रगति टिकाऊ नहीं हो सकती। इसलिए उच्च शिक्षा में निवेश को केवल खर्च नहीं, बल्कि शैक्षिक पूंजी में निवेश के रूप में देखा जाना चाहिए।

भारत में पिछले दशकों में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ी है। लेकिन एक महत्वपूर्ण प्रश्न अभी भी सामने है—क्या गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा वास्तव में सामान्य परिवारों के बच्चों के लिए किफायती है?

केवल बड़ी इमारतें ही गुणवत्ता की पहचान नहीं

आज कई शिक्षण संस्थान अपने विशाल कैंपस, आधुनिक इमारतों, वातानुकूलित कक्षाओं और महंगी सुविधाओं को अपनी पहचान के रूप में प्रस्तुत करते हैं। ये सुविधाएँ उपयोगी हो सकती हैं, लेकिन एक अच्छे कॉलेज की वास्तविक शक्ति केवल उसकी इमारतों में नहीं होती।

अच्छे शिक्षक, मजबूत पाठ्यक्रम, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएँ, शोध के अवसर, डिजिटल संसाधन, विद्यार्थी मार्गदर्शन और मजबूत शैक्षणिक वातावरण किसी संस्थान की वास्तविक गुणवत्ता का निर्माण करते हैं।

इसलिए भारत को ऐसे अधिक कॉलेजों की आवश्यकता है जो उच्च गुणवत्ता और कम फीस के मॉडल को अपनाएँ।

महंगी शिक्षा की छिपी हुई लागत

किसी विद्यार्थी के लिए शिक्षा का खर्च केवल ट्यूशन फीस तक सीमित नहीं होता। हॉस्टल, परिवहन, किताबें, डिजिटल उपकरण, परीक्षा शुल्क, भोजन और अन्य शैक्षणिक खर्च भी परिवार पर बड़ा आर्थिक बोझ डाल सकते हैं।

एक सामान्य परिवार के लिए ये सभी खर्च मिलकर उच्च शिक्षा को कठिन बना सकते हैं। कई बार एक योग्य विद्यार्थी केवल इसलिए अपनी पसंद का पाठ्यक्रम नहीं कर पाता क्योंकि परिवार उसकी पूरी लागत वहन नहीं कर सकता।

तें बनाने में ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की शिक्षा को किफायती बनाने में भी इस्तेमाल की जा सकती हैं।

ऐसे योगदान से छात्रवृत्तियाँ, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएँ, शोध केंद्र, शिक्षक विकास, हॉस्टल और डिजिटल शिक्षा की सुविधाएँ विकसित की जा सकती हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दान का उपयोग ऐसे अवसर पैदा करने के लिए हो, जिनसे अधिक से अधिक योग्य विद्यार्थी लाभान्वित हो सकें।

छात्रवृत्ति से आगे

छात्रवृत्ति बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन केवल छात्रवृत्ति ही समाधान नहीं है। हमें ऐसे संस्थानों की भी आवश्यकता है जहाँ सामान्य परिवारों के बच्चे बिना भारी कर्ज या अत्यधिक आर्थिक दबाव के पढ़ सकें।

इसलिए किफायती कॉलेज मॉडल भारत की उच्च शिक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण दिशा हो सकता है—कम फीस, गुणवत्तापूर्ण अध्यापन और मजबूत शैक्षणिक सुविधाएँ।

किफायती होने का अर्थ कम गुणवत्ता वाला होना नहीं होना चाहिए।

गाँवों और छोटे शहरों के लिए अवसर

भारत की बड़ी आबादी गाँवों और छोटे शहरों में रहती है। प्रत्येक विद्यार्थी के लिए महानगरों में जाकर महंगी शिक्षा प्राप्त करना संभव नहीं है।

यदि छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छे, किफायती और आधुनिक कॉलेज विकसित किए जाएँ, तो विद्यार्थियों को अपने घरों के पास ही उच्च शिक्षा के अवसर मिल सकते हैं।

इससे परिवारों का रहने और परिवहन का खर्च भी कम हो सकता है और स्थानीय क्षेत्रों में ज्ञान तथा रोजगार का वातावरण भी मजबूत हो सकता है।

कॉरपोरेट और सामाजिक जिम्मेदारी

कॉरपोरेट क्षेत्र और बड़ी कंपनियाँ शिक्षा को सामाजिक निवेश का महत्वपूर्ण क्षेत्र मान सकती हैं। उनका योगदान केवल भवन निर्माण तक सीमित न रहकर विद्यार्थी छात्रवृत्ति, शोध, शिक्षक प्रशिक्षण, डिजिटल प्रयोगशालाओं और ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक अवसरों की दिशा में भी होना चाहिए।

इसके साथ पारदर्शिता, जवाबदेही और शैक्षणिक स्वतंत्रता को भी महत्व देना आवश्यक है।

पूर्व विद्यार्थी भी बन सकते हैं शैक्षिक पूंजी

किसी संस्थान के पूर्व विद्यार्थी उसकी सबसे मूल्यवान पूंजी हो सकते हैं। जो विद्यार्थी सफल होकर समाज में अपना स्थान बनाते हैं, वे अपनी पुरानी संस्था के लिए छात्रवृत्ति, पुस्तकालय, प्रयोगशाला या शोध निधि स्थापित कर सकते हैं।

यदि हजारों पूर्व विद्यार्थी अपनी क्षमता के अनुसार योगदान दें, तो यह राशि अनेक विद्यार्थियों का भविष्य बदल सकती है।

शिक्षा को प्रतिष्ठा की दौड़ न बनाएँ

उच्च शिक्षा को केवल सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बना देना उचित नहीं है। महंगा कॉलेज अपने आप में अच्छी शिक्षा की गारंटी नहीं होता।

हमारा ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि विद्यार्थी क्या सीख रहा है, उसमें कौन-से कौशल विकसित हो रहे हैं, उसे शोध और स्वतंत्र चिंतन के कितने अवसर मिल रहे हैं और वह समाज के लिए किस प्रकार योगदान दे सकता है।

शैक्षिक पूंजी की नई सोच

हमें शिक्षा में दान और निवेश की परिभाषा को भी व्यापक बनाने की आवश्यकता है।

सवाल यह नहीं होना चाहिए कि ÷कितनी बड़ी इमारत बनाई गई?÷

सवाल यह होना चाहिए-

कितने विद्यार्थियों को शिक्षा मिली?

कितने गरीब विद्यार्थियों को अवसर मिला?

कितने शिक्षकों को सहायता मिली?

कितनी प्रयोगशालाएँ और पुस्तकालय मजबूत हुए?

कितने ग्रामीण विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा तक पहुँच मिली?

यही शैक्षिक पूंजी की वास्तविक कसौटी हो सकती है।

भविष्य की दिशा

भारत को केवल अधिक कॉलेजों की आवश्यकता नहीं है। भारत को ऐसे कॉलेजों की आवश्यकता है जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सामान्य परिवारों की पहुँच में लाएँ।

एमएलबी महाविद्यालय में सेवा-संकल्प अभियान के तहत 'नमो सेवा-अनकही कहानियां' कार्यक्रम आयोजित

नुक्कड़ नाटकों से दिया नशामुक्ति और नारी शिक्षा का संदेश

ग्वालियर जीएनएस

महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में 24 सितंबर को शासन के निर्देशानुसार सेवा-संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत 'नमो सेवा-अनकही कहानियां' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ इतिहास विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक एवं कार्यक्रम अधिकारी प्रो. सुशील कुमार ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'नमो सेवा' कार्यक्रम के माध्यम से देश और समाज के लिए योगदान देने वाली अनेक अनकही कहानियों को सामने लाया जा रहा है, जो युवाओं को प्रेरणा और मार्गदर्शन प्रदान करती हैं।

कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. ज्योत्सना राजपूत ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को सेवा-संकल्प अभियान के उद्देश्यों और समाज में जागरूकता फैलाने के प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सेवा गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक जिम्मेदारी और जनहित की भावना को बढ़ावा दिया जा रहा है।

कार्यक्रम की थीम के अनुरूप राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं ने दो नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया। इनमें 'नशामुक्ति' और 'नारी के जीवन में शिक्षा का महत्व' विषयों को प्रस्तुत किया गया। विद्यार्थियों ने अभिनय के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों, सामाजिक कुरीतियों और महिलाओं की शिक्षा के महत्व को प्रभावी ढंग से सामने रखा। नाटकों के जरिए समाज में सकारात्मक बदलाव और जागरूकता का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के प्राध्यापक डॉ. अशोक बिश्नोई, राजनीतिक विज्ञान विभाग की डॉ. शशिकला राठौड़ तथा राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन डॉ. अशोक बिश्नोई ने किया।

दैनिक वेतनभोगी पम्प ऑपरेटरों के विनियमितीकरण एवं वरिष्ठता सूची में समान अवसर की मांग

शिवपुरी जीएनएस

नगर पालिका परिषद शिवपुरी में जलप्रदाय व्यवस्था के अंतर्गत वर्ष 2002 एवं 2005 से निरंतर कार्यरत दैनिक वेतनभोगी पम्प ऑपरेटरों ने अपने विनियमितीकरण/नियमितीकरण एवं वरिष्ठता सूची में समान अवसर प्रदान किए जाने की मांग की है।

पम्प ऑपरेटरों का कहना है कि उनके कुछ सहकर्मियों का वर्ष 2018 एवं 2023 में विनियमितीकरण किया जा चुका है, जबकि वे भी लंबे समय से निरंतर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। नगर की जलप्रदाय व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित रखने के लिए सभी कर्मचारी समय पर अपनी उपस्थिति दर्ज कर अपने निर्धारित दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं तथा शहर की जनता के लिए अपनी सेवाएं देने को तत्पर हैं।

कर्मचारियों का कहना है कि शहर की महत्वपूर्ण पेयजल व्यवस्था को सुचारू रखना भी उतना ही आवश्यक है जितना सफाई व्यवस्था को संचालित करना। यदि शहरवासियों को पर्याप्त पानी ही नहीं मिलेगा, तो सफाई व्यवस्था भी कैसे सुचारू रूप से संचालित हो सकेगी? जलप्रदाय व्यवस्था और सफाई व्यवस्था दोनों ही शहर की मूलभूत आवश्यकताएं हैं, इसलिए दोनों व्यवस्थाओं में कार्यरत कर्मचारियों के साथ समान एवं न्यायसंगत व्यवहार किया जाना चाहिए। कर्मचारियों ने संयुक्त कलेक्टर महोदय, जिला शिवपुरी को आवेदन देकर मांग की है कि वरिष्ठता सूची में आवश्यक संशोधन करते हुए दैनिक वेतनभोगी पम्प ऑपरेटरों के विनियमितीकरण का प्रस्ताव तैयार कर जीडी कार्यालय, ग्वालियर भेजा जाए।

पितृ मोक्ष अमावस्या तक दो पालियों में आयोजित होगा कार्यक्रम, पंजीयन कराने की अपील

गायत्री प्रज्ञा पीठ में आज से श्राद्ध तर्पण

ग्वालियर जीएनएस

गायत्री प्रज्ञा पीठ कंपू में श्राद्ध पक्ष के अवसर पर 26 सितंबर से 10 अक्टूबर तक प्रतिदिन श्राद्ध तर्पण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम दो पालियों में होगा। पहली पाली सुबह 6 बजे और दूसरी पाली सुबह 9 बजे से शुरू होगी। मुख्य प्रबंध ट्रस्टी शिवबीर सिंह चौहान एवं व्यवस्थापक यशवंत सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में शामिल होने वाले परिजन गायत्री प्रज्ञा पीठ कंपू कार्यालय पर अपना पंजीयन अवश्य कराएं, ताकि उपस्थित लोगों की संख्या के अनुसार व्यवस्थाएं की जा सकें। श्राद्ध तर्पण के लिए पूजन सामग्री निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य पितरों को श्रद्धांजलि अर्पित करना और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करना है। आयोजन के लिए गायत्री प्रज्ञा पीठ की ओर से विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

भगवान गणेश की पूजा-अर्चना और आरती, प्रसाद वितरण किया गया

सेवा भारती छात्रावास में हर्षोल्लास से मनाया गणेश उत्सव

शिवपुरी जीएनएस

सेवा भारती शिवपुरी द्वारा संचालित छात्रावास में गणेश उत्सव श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान श्री गणेश जी की स्थापना कर विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती की गई। छात्रावास के बच्चों ने उत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिवपुरी जिला संघचालक राजेश गोयल उपस्थित रहे। उनके साथ मध्यदेशीय अग्रवाल समाज शिवपुरी के अध्यक्ष सुमित कुमार गुप्ता (ख्यावदा वाले), रिंकेश अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष गुप्ता, प्रचार मंत्री रितिक गर्ग, युवा समाजसेवी एवं कार्यकारिणी सदस्य महावीर गुप्ता, संस्थापक सदस्य गल्ला एसोसिएशन नरेंद्र गुप्ता (सेवा भारती नगर सचिव) सहित जिला गल्ला दलाल एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। अतिथियों ने छात्रावास के विद्यार्थियों के साथ भगवान श्री गणेश जी की आरती में सहभागिता की और बच्चों का उत्साहवर्धन किया। वक्ताओं ने कहा कि इस तरह के धार्मिक आयोजन बच्चों में संस्कार और सामाजिक समरसता का भाव जागृत करते हैं।

दून पब्लिक स्कूल में गाजे-बाजे के साथ हुई गणपति विदाई, बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

शिवपुरी- दून पब्लिक स्कूल शिवपुरी में इस वर्ष विराजे श्री गणेश जी को पूरे विधि-विधान और हर्षोल्लास के साथ विदाई दी गई। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में भक्तिमय माहौल देखने को मिला, जहां सभी विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों ने नम आंखों और अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारों के साथ बप्पा को विसर्जन के लिए विदा किया। विदाई समारोह के दौरान छात्र-छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्री प्राइमरी विंग के बच्चों द्वारा सामूहिक रूप से बनाई गई श्री गणेश की एक जीवंत व आकर्षक आकृति रही। आर्ट एंड क्राफ्ट टीचर वर्षा खरे के निर्देशन में तैयार की गई इस अनूठी कला को देखकर वहां मौजूद सभी दर्शक और शिक्षक मंत्रमुग्ध हो गए।

हैप्पीडेज स्कूल में क्वालिटी कॉन्सेप्ट्स का सम्मेलन आज

शिवपुरी जीएनएस

शिवपुरी के लिए यह गर्व की बात है कि क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ़ इंडिया - ग्वालियर चैप्टर द्वारा 26 सितंबर 2026 को हैप्पीडेज स्कूल में क्वालिटी कॉन्सेप्ट्स पर पहला सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। ग्वालियर में ज़्यादातर मुख्य शिक्षण संस्थान इस जापानी कॉन्सेप्ट से जुड़े हुए हैं। हालाँकि यह कॉन्सेप्ट ग्वालियर में 3 दशकों से ज्यादा समय से काम कर रहा है, लेकिन हैप्पीडेज स्कूल पिछले 15 सालों से इससे जुड़ा है। यह पहली बार है जब क्यूसीएफआई ने शिवपुरी में भी सम्मेलन आयोजित करने का फैसला किया है। हैप्पीडेज स्कूल का मैनेजमेंट उम्मीद कर रहा है कि आने वाले दिनों में शिवपुरी के कई स्कूल इस कॉन्सेप्ट से जुड़ने के लिए तैयार हो जाएँगे। 26 सितम्बर को नेशनल ट्रेनिंग पावर इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर और हेड डॉ. चित्ततोष भट्टाचार्य मुख्य अतिथि होंगे, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी के इंचार्ज डायरेक्टर डॉ. एस.के. धाकड़ विशेष अतिथि होंगे और सूर्या रोशनी लिमिटेड, मालनपुर के वाइस प्रेसिडेंट और प्लांट हेड तपन बंद्योपाध्याय और हैप्पीडेज स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर अरविंद लाल दीवान दोपहर 2 बजे होने वाले समापन समारोह में सम्मानित अतिथि होंगे।

डोल ग्यारस पर भक्ति में डूबा शिवपुरी, ओझा समाज महिला मंडल ने किया श्री लाला जी महाराज की शोभायात्रा का भव्य स्वागत

शिवपुरी जीएनएस

डोल ग्यारस के पावन अवसर पर भगवान श्री लाला जी महाराज की भव्य जल विहार शोभायात्रा श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में समाजबंधुओं एवं श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। जगह-जगह पुष्पवर्षा, स्वागत एवं प्रसाद वितरण कर शोभायात्रा का अभिनंदन किया गया।

ओझा समाज के मंदिर श्रीराम जानकी मंदिर धर्मार्थ ट्रस्ट गणेश गली के तत्वावधान में निकली यह शोभायात्रा गुरुद्वारा रोड होते हुए माधव चौक से सागर गणेश कुंड तक पहुंची। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर समाजबंधुओं एवं श्रद्धालुओं द्वारा भगवान श्री लाला जी महाराज के दर्शन कर स्वागत किया गया। इसी क्रम में ओझा समाज युवक मंडल, मध्यप्रदेश की महिला मंडल द्वारा गुरुद्वारा रोड पर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। महिला मंडल की बहनों ने पूरे उत्साह एवं श्रद्धाभाव के साथ शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का स्वागत किया। प्रसाद वितरण के साथ आतिशबाजी कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया गया। इस दौरान समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। आयोजन के दौरान श्रद्धा और भक्ति के साथ सामाजिक एकता एवं आपसी भाईचारे का सुंदर संदेश देखने को मिला। महिला मंडल की सामूहिक सहभागिता ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की। इस अवसर पर महिला मंडल की संरक्षकगण, पदाधिकारी एवं सदस्यगण तथा युवा मंडल के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे। सभी ने भगवान श्री लाला जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए शोभायात्रा के भव्य स्वागत में सहभागिता की।

अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ डबरा सिटी पुलिस की कार्यवाही

थाना डबरा सिटी पुलिस ने इलाका भ्रमण के दौरान दो तस्करों को पकड़कर उनसे 13 किलो 128 ग्राम अवैध गांजा किया जप्त

ग्वालियर, जीएनएस। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह(भापुसे) के निर्देश पर ग्वालियर जिले में अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में अति. पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री जयराज कुबेर द्वारा अपने अधीनस्थ सभी थाना प्रभारियों को अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार एसडीओपी डबरा श्री सौरभ कुमार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी डबरा सिटी उनि0 संजय शर्मा के नेतृत्व में थाना बल की टीम को इलाका भ्रमण के दौरान दिनांक 24.09.2026 को मजार के पास मगरोरा रोड़ पर डबरा में 02 व्यक्ति हाथ में विमल पान मसाला का चेन बंद थैला लिये खड़े दिखे जो संदिग्ध प्रतीत होने पर उन्हे रोककर नाम व पता पूछने पर एक ने अपना नाम गौरव सेन पिता कल्लू सेन आयु- 22 साल निवासी ग्राम बड़ी अकवई थाना पिछोर जिला ग्वालियर हाल- बस स्टैण्ड डबरा, दूसरे ने सोनेश नामदेव पिता कैलास नामदेव आयु- 24 साल निवासी

श्याम विहार कॉलोनी डबरा जिला ग्वालियर का होना बताया।

दोनों संदेहियों के पास से मिले विमल पान मसाला के थैलों की चेन खुलवा कर चेक किया तो उनके अन्दर अवैध मादक पदार्थ गांजा रखा हुआ मिला, जिसकी तौल कराने पर उसका बजन कुल 13 किलो 128 ग्राम कीमती लगभग 01 लाख 50 हजार रूपये का होना पाया गया। दोनों व्यक्तियों से उक्त गांजा के संबंध में पूछताछ करने पर उनके द्वारा एक अन्य व्यक्ति पुष्पेन्द्र साहू निवासी चीनोर रोड़ डबरा के साथ उड़ीसा से अवैध मादक पदार्थ गाँजा लेकर आना व अभी गांजा ग्राहक को देने के लिये मजार के पास खड़ा होना बताया।

पकड़े गये दोनों व्यक्तियों का यह कृत्य धारा- 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत दण्डनीय होने से आरोपियों के कब्जे से 13 किलो 128 ग्राम अवैध गांजा कीमती लगभग 01 लाख 50 हजार रूपये का विधिवत जप्त किया गया। दोनों आरोपीगण व तीसरे फरार आरोपी के खिलाफ थाना डबरा सिटी में अप0क्र0-566/26 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। थाना डबरा पुलिस द्वारा तीसरें आरोपी पुष्पेन्द्र साहू की तलाश की जा रही है।

जप्त मशरूका- 13 किलो 128 ग्राम अवैध गांजा कीमती लगभग 01 लाख 50 हजार रूपये।

सराहनीय भूमिका- थाना प्रभारी डबरा सिटी उप निरी. संजय शर्मा, उनि0 जीत आर्यन शर्मा, उनि0 राजकुमार, प्र.आर0 शिवशांत पांडे, प्र.आर0 दिनेश सिंह, आर0 शिवम पाल, प्रवीण जाट, शैलेंद्र शर्मा, दीपक पटेल, दीपक रावत, जयकांत नामदेव की सराहनीय भूमिका रही।

फिल्म शूटिंग के लिए लोकेशन देखने रावतपुरा धाम और मां गायत्री गौशाला पहुंचे केदार सिंह बाराकला

लहार, जीएनएस। विख्यात फिल्म अभिनेता एवं पूर्व राज्यमंत्री केदार सिंह बाराकला के अथक प्रयास एवं गौरक्षक संतोष चौहान की मंशा अनुरूप गौमाता पर आधारित वेब सीरीज फिल्म %अघन्य% का निर्माण हो रहा है, जिसकी शूटिंग विगत 15 दिनों से भिंड जिले के विभिन्न इलाकों में चल रही है।क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल दंदरौआ धाम पर भी कई दृश्यों की शूटिंग पूरी की जा चुकी है। धार्मिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित इस वेब सीरीज को लेकर स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। अब श्री रावतपुरा सरकार आश्रम एवं लहार नगर में स्थित गौरक्षक संतोष चौहान की घरेलू मां गायत्री गौशाला में शूटिंग किए जाने की तैयारी को लेकर विख्यात फिल्म अभिनेता पूर्व राज्यमंत्री केदार सिंह बाराकला एवं फिल्म के प्रोड्यूसर सामाजिक कार्यकर्ता रामकिशन बघेल मां गायत्री गौशाला लहार पहुंचे। वहां उन्होंने नन्ही बच्ची गौरक्षक गायत्री चौहान से भी मुलाकात की और उसके गौसेवा कार्यों की प्रशंसा की। 5 वर्षीय गायत्री चौहान रोजाना गौमाता की सेवा में जुटी रहती है। केदार सिंह ने कहा कि इस उम्र में गौसेवा का जज्बा प्रेरणादायक है। केदार सिंह बाराकला ने कहा कि रावतपुरा धाम का शांत वातावरण और मां गायत्री गौशाला की पवित्रता फिल्म %अघन्य% की कहानी के लिए उपयुक्त है। हमारा उद्देश्य गौमाता के महत्व को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। गौशाला संचालक संतोष चौहान ने बताया कि गौशाला में वर्तमान मे गौवंश संरक्षित हैं और गौसेवा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के कार्य भी किए जा रहे हैं।

युवा संगम/रोजगार मेले में 158 युवाओं ने कराया पंजीयन, 149 आवेदकों का प्राथमिक चयन

भिण्ड , जीएनएस। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिला प्रशासन भिण्ड के मार्गदर्शन में गत दिवस जिला रोजगार कार्यालय भिण्ड, शासकीय संभागीय आईटीआई भिण्ड, उद्योग विभाग, स्वास्थ्य विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, श्रम विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय एमजेएस महाविद्यालय भिण्ड में युवा संगम/रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले में जिले के युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। मेले में कुल 158 आवेदकों द्वारा पंजीयन कराया गया। उपस्थित विभिन्न कंपनियों द्वारा आवेदकों की शैक्षणिक योग्यता, कौशल एवं अनुभव के आधार पर साक्षात्कार/चयन प्रक्रिया संपादित की गई, जिसमें 149 आवेदकों का प्राथमिक चयन किया गया। मेले में युवाओं को विभिन्न रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों, कौशल विकास, प्रशिक्षण एवं शासन की रोजगारपरक योजनाओं के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपस्थित युवाओं के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं स्वास्थ्य संबंधी परामर्श की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई।

जिला प्रशासन द्वारा बताया गया कि ऐसे रोजगार मेलों का उद्देश्य जिले के अधिकाधिक युवाओं को उनकी योग्यता एवं कौशल के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें स्वरोजगार एवं शासन की विभिन्न योजनाओं से जोड़ना है। भविष्य में भी युवाओं के हित में इस प्रकार की गतिविधियां निरंतर आयोजित की जाएंगी।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 28 से 30 तक विकासखंड स्तर पर आयोजित होंगे सेवा सेतु कैंप

भिण्ड , जीएनएस। राज्य शासन के निर्देशानुसार खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा जिले में ÷सेवा संकल्प अभियान÷ के अंतर्गत 28 से 30 सितम्बर 2026 तक विकासखण्ड स्तर पर ÷सेवा सेतु कैंप÷ का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर भिण्ड के आदेशानुसार जिला आपूर्ति अधिकारी को जिला नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

जिले में विकासखण्ड स्?तर पर भिण्ड विकासखण्ड में 28 सितम्बर को जनपद पंचायत भिण्ड मीटिंग हॉल में, गोहद विकासखण्ड में 29 सितम्बर को जनपद पंचायत गोहद मीटिंग हॉल में सेवा सेतु कैंप आयोजित किया जाएगा। जिसके लिए कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री रामबिहारी सिंह तोमर को नोडल अधिकारी नियुक्?त किया गया है। अटेर विकासखण्ड का 28 सितम्बर को जनपद पंचायत भिण्ड मीटिंग हॉल में तथा मेहगांव विकासखण्ड में 29 सितम्बर को तहसील कार्यालय मेहगांव मीटिंग हॉल में कैंप आयोजित किया जाएगा। जिसके लिए सहायक आपूर्ति अधिकारी श्री निशांत पाण्डेय को नोडल अधिकारी नियुक्?त किया गया है। विकासखण्ड रौन में 29 सितम्बर को जनपद पंचायत रौन मीटिंग हॉल में तथा लहार विकासखण्ड में 30 सितम्बर को जनपद पंचायत लहार मीटिंग हॉल में कैंप आयोजित किया जाएगा। जिसके लिए कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री सुनील कुमार मुदगल को नोडल अधिकारी नियुक्?त किया गया है।

कैंप का मुख्य उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाना, ई-केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण करना एवं लंबित शिकायतों का मौके पर ही निराकरण करना है।

कैंप में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (क्क्रूत्रन्नड्ड.) के तहत अंत्योदय एवं प्राथमिकता श्रेणी के पात्र परिवारों को दिए जा रहे निःशुल्क खाद्यान्न के संबंध में जानकारी दी जाएगी।

÷वन नेशन वन राशन कार्ड÷ योजना के तहत प्रवासी श्रमिकों को देश/प्रदेश में किसी भी उचित मूल्य दुकान से राशन प्राप्त करने की सुविधा की जानकारी दी जाएगी। नवीन आवेदनों हेतु ई-केवाईसी÷ 5 वर्ष से अधिक आयु के शेष 27,454 पात्र हितग्राहियों की ई-केवाईसी पूरी की जाएगी। ई-केवाईसी पूर्ण होने के 2 दिनों के भीतर पात्रता पर्ची जारी कर दी जाएगी। री-ई-केवाईसी÷ वर्ष 2021 से पूर्व ई-केवाईसी कराने वाले 34,332 हितग्राहियों की पुनः ई-केवाईसी की जाएगी, ताकि नियमित राशन वितरण में कोई बाधा न आए। ई-केवाईसी उचित मूल्य दुकानों की पीओएस मशीन तथा मेरा ई-केवाईसी ऐप पर फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से की जा सकती है। राशन वितरण की पारदर्शी सूचना (एसएमएस पावती) हेतु डेटाबेस में छूटे हुए या त्रुटिपूर्ण 5934 हितग्राहियों के आधार लिंक्ड मोबाइल नंबर दर्ज एवं सुधारे जाएंगे।

भाजपा कार्यालय पर मनाई गई पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती

गुना। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में नगर मंडल गुना द्वारा शुक्रवार को एकात्म मानववाद के प्रणेता एवं जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की 110 वीं जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर वक्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के जीवन, विचारों और राष्ट्रसेवा में उनके योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अंत्योदय के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का मार्ग दिखाया।

नशे से ही नहीं, सोशल मीडिया के दुरुपयोग और साइबर अपराध से भी युवाओं को बचाना जरूरी

लहार, जीएनएस। युवा केवल देश का भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी शक्ति हैं। नई पीढ़ी को समझना ही बेहतर भविष्य की पहली शर्त है÷ यह बात प्रदेश सहसंयोजक संजीव नायक ने नगर लहार में आयोजित अभियान के तहत युवाओं एवं विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कही कार्यक्रम में युवाओं के सपनों, शिक्षा, करियर, खेल और बदलती जीवनशैली के साथ आज की पीढ़ी के सामने खड़ी नई चुनौतियों पर खुलकर चर्चा की गई। संवाद का प्रमुख विषय नशा मुक्ति रहा, वहीं साइबर अपराध, सोशल मीडिया के दुरुपयोग और डिजिटल दुनिया में बढ़ती नकारात्मक प्रवृत्तियों को लेकर भी युवाओं को जागरूक किया गया। संजीव नायक ने कहा कि आज युवाओं के सामने चुनौतियां केवल पारंपरिक नशे तक सीमित नहीं हैं। नशे के साथ-साथ सोशल मीडिया की लत, गलत ऑनलाइन कंटेंट, साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी और डिजिटल माध्यमों का दुरुपयोग भी युवा जीवन और भविष्य को प्रभावित कर रहा है। ऐसे समय में युवाओं को जागरूक, सतर्क और जिम्मेदार डिजिटल नागरिक बनाना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया ज्ञान, संवाद और अवसरों का प्रभावी माध्यम है, लेकिन उसका गलत उपयोग समय, सोच और व्यवहार को प्रभावित कर सकता है। युवाओं को चाहिए कि वे सोशल मीडिया को अपनी पहचान और भविष्य का आधार बनाने के बजाय शिक्षा, कौशल, खेल और सकारात्मक संवाद का माध्यम बनाएं। नशे के संबंध में उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति की केवल एक आदत नहीं बिगाड़ता, बल्कि उसके स्वास्थ्य, परिवार, शिक्षा, करियर और सपनों पर भी गहरा प्रभाव डाल सकता है। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए परिवार, शिक्षक और समाज– सभी को मिलकर सकारात्मक वातावरण तैयार करना होगा। संजीव नायक ने कहा कि 'ष्श्ठ्ठठ्ठद्दष्ह्ल 2द्बह्लद्ध तद्दठ्ठ'' केवल युवाओं को संबोधित करने का अभियान नहीं है, बल्कि उन्हें समझने और उनकी बात सुनने की पहल है। उन्होंने कहा, ÷हम युवाओं को केवल यह बताने नहीं आए हैं कि उन्हें क्या करना चाहिए, बल्कि यह समझने आए हैं कि वे क्या सोचते हैं, उनके सामने क्या चुनौतियां हैं और वे अपने भविष्य को किस रूप में देखना चाहते हैं।÷

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे से दूर रहें, साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहें, सोशल मीडिया का जिम्मेदारी से उपयोग करें और अपनी ऊर्जा शिक्षा, खेल, कौशल विकास तथा समाज निर्माण में लगाएं। कार्यक्रम में शिक्षक सोनू सिंह ने कहा कि विद्यार्थी जीवन व्यक्तित्व और चरित्र निर्माण का महत्वपूर्ण समय है। युवाओं को अनुशासन, मेहनत और अच्छे संस्कारों के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए। सही दिशा में किया गया युवा प्रयास व्यक्ति के साथ-साथ पूरे समाज का भविष्य बदलने की क्षमता रखता है। संवाद के दौरान युवाओं ने भी अपने विचार और सवाल साझा किए। कार्यक्रम के अंत में

छात्र हितों की रक्षा और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शासन प्रतिबद्ध: उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

बी.एससी. नर्सिंग के 15 हजार से अधिक विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित

भोपाल, जीएनएस। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि राज्य शासन के लिए छात्र हित सर्वोपरि है। इसी भावना के साथ शासन ने नर्सिंग विद्यार्थियों के हितों की रक्षा के लिए माननीय उच्च न्यायालय में अपना पक्ष मजबूती से रखा है। विद्यार्थियों की शिक्षा और उनके भविष्य की राह में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए राज्य शासन संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा बी.एससी. नर्सिंग के 15 हजार से अधिक विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। साथ ही लगभग 28 हजार विद्यार्थियों की आगामी परीक्षा भी शीघ्र आयोजित की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि छात्र हितों की रक्षा और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शासन सदैव प्रतिबद्ध है।

उल्लेखनीय है कि उच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा बी.एससी. नर्सिंग द्वितीय वर्ष परीक्षा ङ्क मार्च 2026, बी.एससी. नर्सिंग तृतीय वर्ष परीक्षा ङ्क जनवरी 2026 के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हैं।

मुख्य मार्गों पर कराई पेंच रिपेयरिंग

ग्वालियर, जीएनएस। बरसात में खराब हुई सड़कों पर नगर निगम ग्वालियर द्वारा नागरिकों की सुविधा एवं सुगम यातायात के लिए पेंच रिपेयरिंग का कार्य निरंतर किया गया।

सहायक यंत्री श्री अमित गुप्ता ने बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार निगम के अमले द्वारा निरंतर सुगम यातायात एवं आम नागरिकों की सुविधा के लिए विभिन्न सड़कों पर पेंच रिपेयरिंग का काम किया जा रहा है। जिसके तहत आज पटेल नगर जांगीपुर, बारा बीघा रोड, गरगज वाले हनुमान जी, पटरी रोड शताब्दीपुरम तुलसीविहार, सती विहार कॉलोनी सागरताल, इंदिरा कॉलोनी, चंदन राय की कोठी वाली रोड शील नगर, भूरी माता रोड अवाडपुरा में, डीबी मॉल के सामने वाली रोड पर, शिंदे की छावनी मुख्य मार्ग पर, किलागेट बाबा कपूर की दरगाह के पास, छप्पर वाला पुल पर, हुरावली सहित अन्य सड़कों पर पेंच रिपेयरिंग कर यातायात को सुगम बनाया गया।

नसिया जी में दशलक्षण महापर्व पर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर जबरी बाग नसिया जी इन्दौर में दशलक्षण महापर्व के अवसर पर भक्ति भाव से विभिन्न कार्यक्रम किए जा रहे हैं, संध्या दीदी और उनके जेन जी संगीतकारों के साथ आरती व भजनों की सुमधुर स्वर से प्रस्तुति दी जा रही है। इस अवसर पर सभी समाजजन धूमधाम से प्रभु की आराधना कर रहे हैं। वहीं नसिया जी इन्दौर का जीर्णोद्धार करने वाले समधिस्थ संत ऐलक श्री निशंक सागर जी महाराज की विशेष रुप से आरती अर्पित जैन गोलू भैय्या ने की , वहीं शास्त्र प्रवचनों के बाद बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें बच्चों ने धार्मिकता की दृष्टि पर नन्हे सुमनों ने आर्यिका माता जी मुनिराज की चर्या को संजोया वहीं समसहिक विषयों पर भी बच्चों ने पर्यावरण, प्रकृति , महापुरुषों का चिंतन किया,वहीं नन्ही बलिका ने शहर की ट्रैफिक नियमों पालन करना और सिग्नल पर रुकने का संदेश दिया । इस अवसर पर राजेन्द्र कुमार जैन, प्रकाश चन्द्र शास्त्री, वरिष्ठ अधिवक्ता वीर कुमार जैन, महेन्द्र कुमार जैन, धर्मेन्द्र जैन गुड्डू, जिम्मी जैन व महिला मंडल से भारती जैन शामिल हुए। इस कार्यक्रम का संचालन इशिका जैन, उज्जवल जैन काजू, आकाश जैन टीम ने किया। अतिथियों का स्वागत सचिन जैन, दीपक जैन, विशाल जैन, राजेश जैन सैतू जैन,अमित जैन ने किया अंत में आभार अंजू राजेश जैन ने से माना।

गौवंश को लंपी वायरस से बचाव के लिए करह धाम मंदिर समिति ने निगम को उपलब्ध कराई दवा

ग्वालियर, जीएनएस। गौवंश को लंपी वायरस संक्रमण से बचाने एवं संक्रमण की रोकथाम के उद्देश्य से करह धाम मंदिर समिति द्वारा पहल की गई है। मंदिर समिति के सचिव श्री रवि गुप्ता द्वारा नगर निगम मुख्यालय पहुंचकर अपर आयुक्त श्री प्रदीप तोमर को लंपी वायरस की रोकथाम के लिए आवश्यक दवा उपलब्ध कराई गई।

इस अवसर पर अपर आयुक्त श्री प्रदीप तोमर ने गौवंश के संरक्षण एवं संक्रमण की रोकथाम के लिए समिति द्वारा किए गए सहयोग की सराहना की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध कराई गई दवा का आवश्यकतानुसार उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि गौवंश को संक्रमण से बचाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जा सकें। अपर आयुक्त श्री तोमर ने बताया कि उक्त दवा गौ सेवा के लिए संचालित सभी एंबुलेंस में उपलब्ध रहेगी और लंपी रोग से पीड़ित गाय को सर्वप्रथम मौके पर ही सेवन कराई जाएगी।

नगर निगम द्वारा भी गौवंश के स्वास्थ्य एवं संरक्षण को लेकर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं तथा संक्रमण की स्थिति में तत्काल आवश्यक कार्यवाई किए जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं।

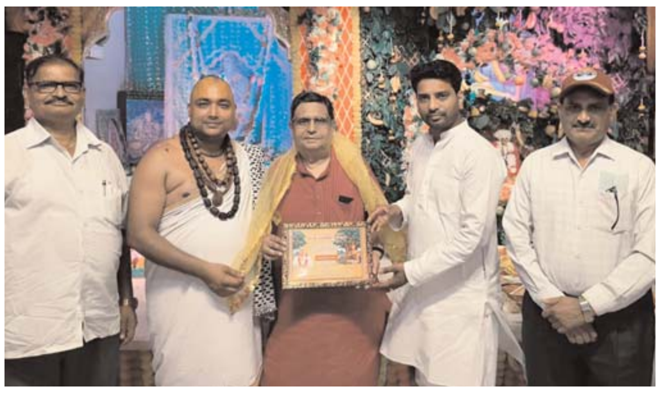

'सनातन गौरव सम्मान' से अलंकृत हुए साहित्य-संस्कृति-मनीषी 'यूपी रत्न' डॉ. गोपाल चतुर्वेदी

वृन्दावन, जीएनएस। परिक्रमा मार्ग - गोपाल खार स्थित श्रीराधा प्रसाद धाम में आयोजित 546वें श्री स्वामी हरिदास आविर्भाव महोत्सव के अंतर्गत साहित्य-संस्कृति-मनीषी ÷यूपी रत्न÷ डॉ. गोपाल चतुर्वेदी को उनके द्वारा राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साहित्य, पत्रकारिता और समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।साथ ही उन्हें ÷सनातन गौरव सम्मान÷ से अलंकृत किया गया।उन्हें यह सम्मान श्रीहरिदास पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी श्रीराधा प्रसाद देव जू महाराज एवं श्रीमहंत मोहिनी बिहारी शरण महाराज ने प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र एवं ठाकुरजी का पटुका-प्रसादी-माला आदि भेंट करके दिया। आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी श्रीराधा प्रसाद देव जू महाराज ने कहा कि प्रख्यात साहित्यकार, अध्यात्मविद् व पत्रकार ÷यूपी रत्न÷ डॉ. गोपाल चतुर्वेदी, एडवोकेट धर्म व अध्यात्म जगत की बहुमूल्य विभूति हैं।वर्तमान में वे समाज सेवा के अलावा धर्म-अध्यात्म, साहित्य सृजन, हिन्दी व अंग्रेजी पत्रकारिता आदि क्षेत्रों में पूर्ण समर्पण के साथ अपनी सेवाएं दे रहे हैं।हम उनका सम्मान करके स्वयं गर्व की अनुभूति कर रहे हैं।

इस अवसर पर कैप्टन हरिहर शर्मा, डॉ. राधाकांत शर्मा, श्याम सुंदर बेनीवाल एवं सतीश सिंह आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

आचरण का आईना...?

पद बड़ा हो तो ꠱शब्द꠱ भी बड़े होने चाहिए,
व्यवहार में मर्यादा ꠱दीप꠱ जले होने चाहिए।
फिर चाहे ꠱कुर्सी꠱ सत्ता की या सम्मान की,
उस पर बैठने वालों में गरिमा हो इंसान की।
एक नाम व एक संवैधानिक पद की कहानी,
वर्षों रहीं उप-राष्ट्रपति की जिम्मेदारी पुरानी।
आज भी कुछ बयानों व आचरण को लेकर,
राजनीतिक बहस में उठे प्रश्न अनेक होकर।
जब भी कभी आलोचनाएँ हो तो तर्कों से हो,
किसी प्रकार से असहमति हो ꠱शब्दों꠱ से हो।
देश की मिट्टी में नफरती बीज ना बोया जाए,
विचार भिन्न हों, इंसान ना छोटा किया जाए।
सफेद दाढ़ी, ऊँचा पद, अनुभवी लंबा संसार,
देश में यूं इन सबसे बढ़कर होता है व्यवहार।
किसी विचार से असहमति हो सकती हजार,
पर देश और समाज से कैसा हो हमारा प्यार?
इतिहास किसी चेहरे का सिर्फ रंग ना देखता,
वह सभी कर्मों का पूरा लेखा-जोखा लिखता।
जो कहा, जो किया गया-सब सामने आता है,
हाँ, समय का आईना अंततः सच दिखाता है।
साहब पद आते-जाते हैं, आचरण रह जाता है,
अगर शब्द मिट जाते हैं-व्यवहार कह जाता है।
राजनीति में मतभेद रहें, यह लोकतंत्र की शान,
हमारा भारत सबसे ऊपर हो, यही हो पहचान।
(संदर्भ - देश के लिए असली खतरा दक्षिणपंथी-हामिद अंसारी)

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

पालिका अधिशाषी अधिकारी को ज्ञापन देकर लगने वाली सब्जी मंडी को दूसरे जगह किया जाए स्थापित

जालौन, जीएनएस। टरननगंज स्थित थोक की लगने वाली सब्जी मंडी से आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है स्थिति को समाप्त करने के उद्देश्य से नगर के लोगों ने ईओ को संबोधित ज्ञापन पालिका आर आई को ज्ञापन देकर थोक सब्जी मंडी को दूसरी जगह स्थानांतरण किए जाने की गुहार लगाई।

नगर के मोहल्ला टरननगंज निवासीगण राजेश कुमार रामबाबू राकेश समेत लोगों ने नगर पालिका परिषद कालपी अधिशाषी अधिकारी रामचंद्र कुरील को संबोधित ज्ञापन पालिका आर आई अजीत सिंह यादव को ज्ञापन सौंपते हुए अवगत कराया कि हमारे मोहल्ले में स्थित गल्ला गोदाम के पास प्रतिदिन प्रातःकाल सब्जी मंडी लगती है, जिसके कारण स्थानीय निवासियों एवं आम जनमानस को अत्यधिक असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है प्रातः के समय बड़ी संख्या में सब्जी विक्रेता, ग्राहक, ठेले एवं वाहन एकत्रित हो जाते हैं, जिससे मुख्य रास्ते पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है और आवागमन बाधित होता है। मोहल्ले के लोगों, विद्यार्थियों, नौकरी-पेशा व्यक्तियों तथा अन्य आम नागरिकों को आने-जाने में काफी परेशानी होती है इसके अतिरिक्त मंडी लगने के कारण सड़क एवं आसपास के क्षेत्र में सब्जियों का कचरा, पत्तियां, प्लास्टिक आदि फैलने से गंदगी एवं दुर्गंध की समस्या भी उत्पन्न होती है। इससे मोहल्ले के वातावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है तथा साफ-सफाई व्यवस्था भी प्रभावित होती है सबसे गंभीर समस्या यह है कि यदि प्रातःकाल के समय किसी व्यक्ति को अस्पताल ले जाने, एंबुलेंस, अथवा किसी अन्य आपातकालीन सेवा की आवश्यकता पड़ जाये, तो जाम एवं भीड़ के कारण रास्ता सुचारु रूप से उपलब्ध न होने से गंभीर परेशानी उत्पन्न हो सकती है ऐसी स्थिति में समय पर सहायता न मिल पाना जनहित एवं जनसुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत चिंताजनक है ज्ञापन देने वालों में जोगिर सिंह रविन्द्र सिंह प्रमोद कुमार विनोद कुमार अमरदीप पाण्डेय मनोज मुन्ना सिंह मनोज पाठक दिलीप पाठक राजेश कुमार प्रदीप आदि लोग मौजूद थे।

नगर निगम ग्वालियर नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने वार्ड 50 का निरीक्षण किया और अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए।

कलेक्टर एवं नगर निगम आयुक्त ने गणेश विसर्जन के लिये चलित वाहनों को हरी झण्डी दिखाई

जिला प्रशासन, नगर निगम एवं सामाजिक संस्था के माध्यम से गणेश विसर्जन के लिये संचालित किए गए हैं वाहन

ग्वालियर, जीएनएस।

ग्वालियर में गणेश उत्सव के दौरान घरों में एवं सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं का विधिवत विसर्जन करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष प्रशासन एवं सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से चलित वाहन संचालित कर वाहनों में गंगाजलयुक्त जल की टंकियां स्थापित कर गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन कराया जाता है। इसी कड़ी में इस वर्ष भी जिला प्रशासन, नगर निगम एवं वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्थान के माध्यम से 25 वाहन संचालित किए जा रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी, वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्थान के प्रमुख श्री भूपेन्द्र जैन, अपर आयुक्त नगर निगम श्री मुनीष सिकरवार, श्री प्रदीप तोमर सहित विभागीय अधिकारी और सामाजिक संस्था

के कार्यकर्ता की उपस्थिति में वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। कलेक्टर श्रीमती चौहान एवं नगर निगम आयुक्त श्री चौधरी ने विधिवत पूजा-अर्चना कर श्रीगणेश प्रतिमाओं का चलित वाहन में विसर्जन किया और वाहनों को सागरताल पर स्थापित अस्थायी जलाशय में विसर्जन हेतु रवाना किया। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा है कि ग्वालियर शहर में सभी श्रद्धालुओं की भावनाओं के अनुरूप गंगाजलयुक्त टंकियों से तैयार किए गए वाहनों को विधि-विधान पूर्वक पूजा-अर्चना कर विसर्जन हेतु रवाना किया। उन्होंने कहा कि गणेश उत्सव के दौरान शहरवासियों ने पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया है। ग्वालियर में यह परंपरा निरंतर कई वर्षों से संचालित की जा रही है। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने बताया कि नगर निगम के माध्यम से सामाजिक संस्था, वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्थान को वाहन एवं अन्य व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिसके माध्यम से शहर भर की गणेश प्रतिमाओं का श्रद्धा पूर्वक विसर्जन किया जा रहा है। निगम का अमला भी इस पुनीत कार्य में अपना सहयोग प्रदान कर रहा है।

व्हीआईएसएम कॉलेज में गणेश उत्सव का विधि-विधान से हुआ समापन, हवन-पूजन के बाद हुआ भंडारा

ग्वालियर, जीएनएस।

व्हीआईएसएम ग्रुप ऑफ स्टडीज में आयोजित गणेश उत्सव का आज विधि-विधानपूर्वक समापन समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर कॉलेज परिसर में स्थित गुरुबक्श सिंह सभागार में भगवान श्री गणेश की विशेष पूजा-अर्चना एवं हवन का आयोजन किया गया। समापन अवसर पर संस्थान के पदाधिकारियों, शिक्षकों, स्टाफ सदस्यों, हॉस्पिटल के डॉक्टर्स, नर्सिंग स्टॉफ एवं विद्यार्थियों ने श्रद्धापूर्वक भगवान श्री गणेश का पूजन किया तथा हवन में आहुति देकर सभी के सुख, समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की। इस मौके पर पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा और विद्यार्थियों एवं स्टाफ ने उत्साहपूर्वक धार्मिक आयोजन में सहभागिता की। पूजन एवं हवन के पश्चात भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें व्हीआईएसएम ग्रुप

के सभी स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने प्रसादी ग्रहण की। गणेश उत्सव के दौरान विद्यार्थियों द्वारा की गई सजावट एवं विभिन्न गतिविधियों ने भी उत्सव को विशेष बनाया। इस पूरे उत्सव के दौरान छात्रावास के विद्यार्थियों द्वारा प्रतिदिन विभिन्न प्रतियोगिताऐं आयोजित की गई। इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन डॉ. सुनील राठौर ने कहा कि ÷गणेश उत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह हमें एकता, अनुशासन, सकारात्मक सोच और आपसी सहयोग का संदेश भी देता है। विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश से हम सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सफलता की कामना करते हैं। व्हीआईएसएम परिवार में इस प्रकार के आयोजन के पीछे विद्यार्थियों को हमारी भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ने का कार्य करते हैं। इस मौके पर संस्थान की चेयरपर्सन श्रीमती सरोज राठौर, ग्रुप निदेशक डॉ. प्रज्ञा सिंह, सहित समस्त महाविद्यालयों के प्राचार्यगण व स्टॉफ मौजूद रहें।

44 जिनालयों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, पैदल वंदना कर कमाया पुण्य

फिरोजाबाद, जीएनएस।

जैन समाज के दशलक्षण महापर्व का शुक्रवार को धार्मिक उल्लास और भक्ति के साथ समापन हुआ। महापर्व के अंतिम दिन नगर के सभी 44 जिनालयों में दसवें लक्षण उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की विशेष पूजा-अर्चना की गई। इसके साथ ही दसवें तीर्थंकर भगवान अनंतनाथ का निर्वाण महोत्सव मनाया गया। श्रद्धालुओं ने रत्नत्रय धर्म के तहत सम्यक ज्ञान की भी सामूहिक रूप से आराधना की। सुबह सूर्योदय से पहले ही शहर के जिनालयों में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। बच्चे, युवा और बुजुर्ग सफेद वस्त्र धारण कर मंदिरों में पहुंचे। श्रद्धालुओं ने अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार विभिन्न जिनालयों की पैदल वंदना की। मंदिरों में घंटे-घड़ियालों की ध्वनि

और भगवान के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। धर्मसभा में वैज्ञानिक संत आचार्य श्री निर्भय सागर जी महाराज ने कहा कि उत्तम ब्रह्मचर्य जीवन का सर्वोच्च सोपान है। इंद्रियों को संयमित रखकर आत्मा के निज स्वरूप में लीन होना ही सच्चा ब्रह्मचर्य है। शुद्ध आचरण मनुष्य को देवत्व की ओर ले जाता है। गुरु मां आर्यिका श्री विजय मती माता जी ने कहा कि सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चरित्र मोक्ष मार्ग की आधारशिला हैं। जीवन में संयम और सम्यक ज्ञान का प्रकाश होने पर ही आत्मकल्याण संभव है। दशलक्षण पर्व का समापन पूजा तक सीमित नहीं, बल्कि संयम को जीवन में अपनाने का संकल्प है। मीडिया प्रभारी आदीश ने बताया कि 27 सितंबर को अतिशय क्षेत्र श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन जिनालय में जलधारा महोत्सव के साथ उत्तम क्षमावाणी पर्व मनाया जाए?

गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से गूंजा जसराना, नम आंखों से दी बप्पा को विदाई

जसराना, जीएनएस।

अनंत चतुर्दशी के अवसर पर शुक्रवार को गणेश महोत्सव का श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ समापन हुआ। कस्बे सहित ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित गणेश प्रतिमाओं को विधि-विधान से पूजा-अर्चना, आरती और भोग लगाने के बाद भव्य शोभायात्राओं के साथ विसर्जन के लिए ले जाया गया। सुबह से ही गणेश पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही। दस दिवसीय गणेशोत्सव के अंतिम दिन पूरा क्षेत्र गणपति बप्पा के जयकारों से गूंजता रहा।

गणेश प्रतिमाओं की शोभायात्रा शुरू होते ही 'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर युवा और श्रद्धालु नाचते-गाते नजर आए। शोभायात्रा के रास्ते में जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर गणपति का स्वागत किया। महिलाओं ने भजन-कीर्तन और

आरती करते हुए बप्पा को विदाई दी। बच्चों में भी गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया।

सुबह से पंडालों में गूंजती रही आरती: विसर्जन से पहले गणेश पंडालों में विशेष पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश को दूर्वा, फूल, मोदक और फल अर्पित किए। आरती के बाद प्रतिमाओं को आकर्षक ढंग से सजाए गए वाहनों पर विराजमान किया गया। इसके बाद श्रद्धालु शोभायात्रा के रूप में विसर्जन स्थल की ओर रवाना हुए। कई स्थानों पर प्रसाद वितरण भी किया गया।

शोभायात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब: शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। युवा हाथों में भगवा ध्वज लेकर जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। ढोल-नगाड़ों की थाप और भक्ति गीतों से माहौल पूरी तरह भक्तिमय नजर आया। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने नृत्य कर अपनी खुशी का इजहार किया। शोभायात्रा के दौरान लोगों ने गणपति के दर्शन कर आशी

हितग्राहीमूलक योजनाओं के प्रकरणों में समय पर राशि वितरित की जाए -कलेक्टर श्री वर्मा

बैंकर्स एवं अन्य विभागों को समन्वय से कार्य करने के निर्देश

शिवपुरी, जीएनएस।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा की अध्यक्षता में गत दिवस कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय बैंकर्स सलाहकार एवं समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य हितग्राहीमूलक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और पात्र हितग्राहियों को समय पर ऋण सुविधा उपलब्ध कराना रहा।

बैठक में जिला पंचायत के सीईओ श्री विजय राज, आरबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक, लीड बैंक मैनेजर सहित जिले के विभिन्न विभागीय अधिकारी एवं बैंक शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने शासन द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं के अंतर्गत पीएम स्वनिधि, पीएम किसान क्रेडिट कार्ड, पीएमएफएमई, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, प्रधानमंत्री

मत्स्य संपदा योजना, पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड, आचार्य विद्यासागर योजना तथा आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों को दिए गए ऋणों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कृषि ऋण, एमएसएमई, हाउसिंग लोन और एनपीए प्रबंधन के लंबित प्रकरणों का निराकरण करने के कड़े निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने विभिन्न शासन प्रायोजित योजनाओं में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लक्ष्य की समीक्षा के अंतर्गत बैंकों को प्रेषित ऋण प्रकरणों पर चर्चा करते हुए सभी शाखा प्रबंधकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पात्र ऋण प्रकरणों को बिना किसी अनावश्यक विलंब के शीघ्र स्वीकृत कर वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासकीय योजनाओं का वास्तविक लाभ जन-जन तक तभी पहुंच सकेगा, जब विभागीय अधिकारी और बैंक शाखाएं पूर्ण आपसी समन्वय के साथ कार्य करेंगे।

सेंट्रल यूनिटी कप में सेंट्रल टाइगर्स का शानदार प्रदर्शन, 6 विकेट से जीतकर बनी विजेता

ग्वालियर, जीएनएस। लायंस क्लब ग्वालियर सेंट्रल द्वारा क्लब सदस्यों के लिए आयोजित सेंट्रल यूनिटी कप क्रिकेट टूर्नामेंट का रोमांचक एवं सफल समापन सेकेंड बटालियन ग्राउंड, कंपू में हुआ। पूरे टूर्नामेंट के दौरान क्लब सदस्यों में क्रिकेट के प्रति खासा उत्साह देखने को मिला। मैदान पर खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन करने के साथ-साथ अनुशासन, आपसी भाईचारे और खेल भावना का परिचय दिया।

टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में लॉयन अभिषेक खुराना की सेंट्रल टाइगर्स ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए लॉयन योगेश मल्होत्रा की सेंट्रल वॉरियर्स को 6 विकेट से पराजित कर सेंट्रल यूनिटी कप की विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। फाइनल मुकाबले में सेंट्रल वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 138 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने मैदान में उतरी सेंट्रल टाइगर्स की टीम ने आक्रामक एवं संयमित बल्लेबाजी का शानदार संयोजन दिखाते हुए मात्र 12 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। जीत के साथ ही टाइगर्स के खिलाड़ियों और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई।

फाइनल मुकाबले में खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह के साथ अपना प्रदर्शन किया और मैच के दौरान कई रोमांचक क्षण देखने को मिले। दर्शक क्लब सदस्यों ने भी दोनों टीमों का उत्साहवर्धन करते हुए खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल जीत-हार तक सीमित न रहकर क्लब सदस्यों के बीच एकता, मित्रता, टीम भावना एवं आपसी सौहार्द को मजबूत करना भी रहा, जिसमें आयोजन सफल रहा।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का सम्मान

टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रथम मैच के मैन ऑफ द मैच लॉयन नीरज चौरसिया, जबकि द्वितीय मैच के मैन ऑफ द मैच लॉयन सौरभ गुप्ता रहे। फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के लिए लॉयन नीरज गुप्ता को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार प्रदान किया गया। पूरे टूर्नामेंट में

निरंतर बेहतरीन प्रदर्शन करने पर उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट की ट्रॉफी से भी सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में गेंदबाजी में प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए बेस्ट बॉलर का पुरस्कार लॉयन दीपक धमेजा, क्षेत्ररक्षण में शानदार प्रदर्शन के लिए बेस्ट फील्डर का पुरस्कार लॉयन मुकेश रोहिरा तथा बल्लेबाजी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बेस्ट बल्लेबाज का पुरस्कार लॉयन अभिषेक खुराना को प्रदान किया गया।

?? पुरस्कार वितरण समारोह

फाइनल मुकाबले के बाद आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में सर्वप्रथम लायंस क्लब ग्वालियर सेंट्रल के अध्यक्ष लॉयन अजय बत्रा एवं कोषाध्यक्ष लॉयन अमित अग्रवाल ने उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया।

समारोह में चीफ एरिया लीडर स्ख्ख्स्न लॉयन अजय सपरा, एडिशनल कैबिनेट सेक्रेटरी लॉयन सुनील शर्मा, पूर्व अध्यक्ष एवं एमपीसीसीआई के सह सचिव लॉयन दीपक पमनानी, एडिशनल कैबिनेट सेक्रेटरी लॉयन जुबैर रहमान, एडिशनल कैबिनेट क्क्ह्र लॉयन ज्योति अग्रवाल एवं ऋष्ट लॉयन भूपेंद्र सिंह तोमर ने खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं ट्रॉफियां प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर क्लब के वरिष्ठ सदस्य लॉयन सतीश भल्ला एवं लॉयन मुकेश भाटिया सहित बड़ी संख्या में क्लब सदस्य उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार खेल भावना एवं आपसी एकता के साथ क्लब की गतिविधियों में सहभागिता करने का आह्वान किया। सेंट्रल यूनिटी कप को सफल बनाने में कार्यक्रम संयोजक लॉयन नीरज चौरसिया एवं लॉयन कन्हैया अग्रवाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दोनों ने टूर्नामेंट की व्यवस्थाओं, मैच संचालन एवं आयोजन से जुड़ी विभिन्न जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से संभाला।

वहीं क्लब अध्यक्ष लॉयन अजय बत्रा, सचिव लॉयन रोशन गाबरा एवं कोषाध्यक्ष लॉयन अमित अग्रवाल ने टूर्नामेंट की योजना, व्यवस्थाओं, समन्वय एवं आयोजन से जुड़ी गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

विशेष रूप से क्लब सचिव लॉयन रोशन गाबरा मैच वाले दिन व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन पूरे टूर्नामेंट की तैयारी एवं आयोजन से संबंधित कार्यों में उनका निरंतर सहयोग और समन्वय बना रहा। क्लब की ओर से उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए विशेष आभार व्यक्त किया गया। सेंट्रल यूनिटी कप के माध्यम से क्लब सदस्यों को नियमित सामाजिक एवं सेवा गतिविधियों से अलग खेल के मैदान पर एक साथ आने और एक-दूसरे के साथ समय बिताने का अवसर मिला। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ आपसी सम्मान और मित्रता का वातावरण बना रहा।

आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन क्लब के सदस्यों के बीच एकता और टीम भावना को मजबूत करने के साथ-साथ परिवार जैसी आत्मीयता को बढ़ावा देते हैं। क्रिकेट टूर्नामेंट में खिलाड़ियों के उत्साह और सदस्यों की सक्रिय सहभागिता ने आयोजन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम के समापन पर लायंस क्लब ग्वालियर सेंट्रल की ओर से सभी खिलाड़ियों, अतिथियों, क्लब सदस्यों, आयोजकों एवं सहयोगियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया गया। साथ ही सेंट्रल टाइगर्स की विजेता टीम को शानदार जीत के लिए बधाई दी गई तथा सेंट्रल वॉरियर्स की टीम के उत्कृष्ट प्रदर्शन की भी सराहना की गई।

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन में शिवपुरी पुलिस की अवैध हथियारों के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही

शिवपुरी, जीएनएस। शिवपुरी जिले के थाना सिरसौद एवं चौकी हिम्मतपुर पुलिस द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुये अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले गिरोह का पर्दाफास करते हुये एक आरोपी को 08 नग देशी पिस्टल 32 वोर एवं 32 वोर के 10 जिन्दा राऊण्ड के साथ गिरफ्तार किया गया ।

थाना प्रभारी सिरसौद उनि धर्मेन्द्र गुर्जर को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति अवैध हथियारों की खेप लेकर शिवपुरी तरफ जायेगा। मुखबिर की सूचना से बरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी के द्वारा हिम्मतपुर चौकी प्रभारी एवं पुलिस बल को सहायतार्थ भेजा गया।

वरिष्ठ अधिकारियो के मार्गदर्शन में थाना सिरसौद व

हिम्मतपुर चौकी की टीमें बनाकर शिवपुरी श्योपुर रोड पर गस्त कर चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति खोरघार की पुलिया पर एक नीले रंग का बैग लिये बैठा दिखा जो अपने बैग पर वार-वार हाथ रखकर इधर-ऊधर देख रहा था। संदेह होने से उक्त व्यक्ति को हमराह बल की मदद से घेरकर पकडा गया, व्यक्ति के बैग को चेक किया जिसमे देशी 08 नग पिस्टल 32 वोर की एवं 32 वोर के 10 जिन्दा राऊण्ड कीमती करीव 3,50000 रुपये के मिले। उक्त अवैध हथियारों को आरोपी अंशुल अहिरवार पुत्र हरपाल सिंह अहिरवार उम्र 20 साल निवासी ग्राम छता थाना बडोनी हॉल सिदार्थ कालौनी बार्ड क्रमांक 36 थाना सिविल लाईन जिला दतिया के कब्जे से जप्त कर थाना सिरसौद पर अपराध क्रमांक 247/2026 धारा 25/27, 25(1क) आर्मस एक्ट का कायम कर विवेचना में लिया गया। आरोपी से पूछताछ की गई तो आरोपी ने बताया कि मैं अवैध हथियार सेंधवा जिला बडबानी से लेकर आया था, हथियार लेकर जिला दतिया जा रहा था परंतु मेरी आंख लग गई और मैं श्योपुर पहुंच गया, श्योपुर से शिवपुरी आते समय आरोपी को थाना सिरसौद एवं चौकी हिम्मतपुर पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर आवैध हथियार जप्त किये गये हैं ।

उक्त कार्यवाही में उनि. धर्मेन्द्र सिंह गुर्जर थाना प्रभारी सिरसौद, उनि रामानंद पचौरी चौकी प्रभारी हिम्मतपुर ,उनि. जगदीश भिलाला,प्रआर.सत्यवीर सिंह जादौन,बलवंत पाल,रविन्द्र सिनोरिया,बृजेन्द्र गुर्जर , आर.मुकेश परमार,रमेश सिंह एवं चोकी हिम्मतपुर के प्रआर.अरविंद कुमार मांझी , आर.अंकित सिंह,रामअवतार सिंह, बलबीर सिंह,आर.चालक मनीष गोस्वामी की अहम भूमिका रही ।

25 से 28 तक सेवा संकल्प यात्राओं का आयोजन होगा

श्योपुर। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत आयोजित किये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के क्रम में वडनगर-वाराणसी जल, जन, सेवा संकल्प यात्रा अंतर्गत जिले में दो यात्राओं का आगमन होगा। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेगे। 25 से 26 सितंबर तक आयोजित यात्रा वीरपुर में मुरैना जिले से प्रवेश करेंगी, यात्रा का आगमन वीरपुर में प्रातः 10 बजे होगा तथा 10.30 बजे फॉरेस्ट रेस्टहाउस में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

नाम परिवर्तन सूचना

मेरा सही नाम SOURABH GARG है यही नाम मेरे आधार कार्ड, पेनकार्ड, बैंक पासबुक, शैक्षणिक दस्तावेज आदि में दर्ज है, जबकि मेरी भारतीय बीमा निगम शाखा सीएबी ग्वालियर की पॉलिसी में मेरा नाम घरू नाम JANI GARG दर्ज हो गया है। JANI GARG और SOURABH GARG दोनों नाम मुझ एक ही व्यक्ति के हैं। अत: इस सूचना उपरांत मेरी उक्त भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा सीएबी ग्वालियर की पॉलिसी में मेरा नाम JANI GARG के स्थान पर मेरा सही नाम SOURABH GARG पढ़ा लिखा व दर्ज किया जावें।

पुराना नाम
JANI GARG

नया नाम
SOURABH GARG S/o ASHOK GARG
R/o EWS 107, SARASWATI NAGAR, JAWAHAR CHOWK,
CTT NAGAR, HUZUR BHOPAL (M.P.)

नाम परिवर्तन सूचना

मेरी पुत्री का वर्तमान में नाम मानवी उपाध्याय (MANVI UPADHYAY) है जो कि उसके आधारकार्ड, शैक्षणिक दस्तावेज आदि में दर्ज है। मैं अपनी पुत्री का नाम बदलकर ममता उपाध्याय (MAMTA UPADHYAY) रख रहा हूं। अत: इस सूचना प्रकाशन उपरांत मेरी पुत्री के आधारकार्ड, शैक्षणिक दस्तावेज एवं समस्त शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में उसका नाम मानवी उपाध्याय (MANVI UPADHYAY) के स्थान पर नया नाम ममता उपाध्याय (MAMTA UPADHYAY) पुत्री श्याम सुन्दर पढ़ा लिखा व दर्ज किया जावें।

आवेदक
श्याम सुन्दर पुत्र रामवरण
निवासी - सुसानी, तेह. जौरा, सुमावली, मुरैना (म.प्र.)

रोहिणी कोर्ट में भगवान श्री गणेश की प्रतिमा को विसर्जन के स्थान पर सम्मानपूर्वक भक्त को भेंट

नई दिल्ली, जीएनएस। गणेश विसर्जन के 11वें वार्षिकोत्सव का आयोजन श्रद्धा, भक्ति, सामाजिक सद्भाव और पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ किया गया। पिछले ग्यारह वर्षों से निरंतर चली आ रही इस अनूठी परंपरा के अंतर्गत भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं को पारंपरिक रूप से विसर्जित करने के स्थान पर श्रद्धालुओं को सम्मानपूर्वक भेंट किया जाता है। इसी पर्यावरण-अनुकूल एवं श्रद्धापूर्ण परंपरा के अंतर्गत इस वर्ष साकेत कोर्ट की अधिवक्ता सीरत भट को भगवान श्री गणेश की प्रतिमा भेंट की गई।

अधिवक्ता सीरत भट ने इस अनूठी एवं पर्यावरण-अनुकूल परंपरा के बारे में जानकारी मिलने के बाद ज्यूडिशियल काउंसिल के चेयरमैन एवं लॉयर्स फेडरेशन के अध्यक्ष श्री राजीव अग्निहोत्री से अनुरोध किया था कि इस वर्ष भगवान श्री गणेश की प्रतिमा उन्हें भेंट की जाए।

अपनी भावना व्यक्त करते हुए अधिवक्ता सीरत भट ने कहा कि जब उन्हें इस विशेष परंपरा के बारे में जानकारी मिली कि भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का पारंपरिक विसर्जन करने के बजाय श्रद्धा और सम्मान के साथ उसे भक्त को भेंट किया जाता है, तो वह इस पहल से अत्यंत प्रभावित हुईं। उन्होंने इच्छा व्यक्त की कि इस वर्ष भगवान श्री गणेश की प्रतिमा प्राप्त करने का सौभाग्य उन्हें मिले।

उनके अनुरोध पर अधिवक्ता सुरेंद्र त्यागी के साथ विचार-विमर्श किया गया। चर्चा के उपरांत अधिवक्ता सीरत भट का नाम इस वर्ष भगवान श्री गणेश की प्रतिमा भेंट किए जाने के लिए स्वीकृत किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिवक्ताओं ने कहा कि यह पहल धार्मिक आस्था को पर्यावरण संरक्षण के साथ जोड़ने का सुंदर प्रयास है। भारतीय संस्कृति में भगवान श्री गणेश को बुद्धि, विवेक, शुभारंभ, समृद्धि और मंगल के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। ऐसे में गणेश चतुर्थी जैसे पवित्र पर्व को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी के साथ मनाना समाज के लिए सकारात्मक और प्रेरणादायक संदेश प्रस्तुत करता है।

ज्यूडिशियल काउंसिल के चेयरमैन एवं लॉयर्स फेडरेशन के अध्यक्ष श्री राजीव अग्निहोत्री ने कहा कि पिछले ग्यारह वर्षों से इस परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाने का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है। भगवान श्री गणेश की प्रतिमा को विसर्जन के स्थान पर सम्मानपूर्वक भक्त को भेंट करने की यह पहल श्रद्धा और प्रकृति संरक्षण के बीच संतुलन का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि गणेश चतुर्थी केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे, सद्भाव और सामाजिक एकता का भी पर्व है। इस अवसर पर समाज के प्रत्येक वर्ग को पर्यावरण की रक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने का संदेश दिया गया। अधिवक्ता सुरेंद्र त्यागी ने आगामी वर्ष श्री गणेश की प्रतिमा जिसे श्रद्धापूर्वक भेंट की जाएगी, उसके नाम की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि भगवान श्री गणेश की प्रतिमा को विसर्जन के स्थान पर भक्त को भेंट करने की परंपरा केवल धार्मिक भावना का सम्मान नहीं करती, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज में जागरूकता पैदा करने का भी माध्यम है।

माधव महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ने कटोरा ताल पर चलाया अभियान

चलित वाहनों से गणेश विसर्जन, एनएसएस ने संभाली स्वच्छता की कमान

ग्वालियर जीएनएस

जल प्रदूषण रोकने और जलस्रोतों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से ग्वालियर में चलित वाहनों के माध्यम से गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन की अनूठी पहल की गई। जिला प्रशासन एवं नगर निगम द्वारा बनाए गए अस्थायी कुंड में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन कराया गया। इस अभियान में माधव महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने सहभागिता की।

राष्ट्रीय सेवा योजना माधव महाविद्यालय की इकाई द्वारा पिछले 15 वर्षों से इस अभियान में सहयोग किया जा रहा है। वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में कटोरा ताल पर स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान लोगों को बड़े तालाबों और जलस्रोतों में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन से होने वाले जल प्रदूषण तथा जलीय जीव-जंतुओं पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई और विसर्जन स्थल पर स्वच्छता व्यवस्था में सहयोग किया। अभियान में डॉ. प्रशांत साहू, उज्जवल गुप्ता, अंकित तिवारी, कृष्ण रजक, दिशांत प्रजापति, सुमित रजक, अशोक, दीपक बंजारा, मिनी कुशवाह, गरिमा झा सहित माधव महाविद्यालय एवं पार्वतीबाई गोखले विज्ञान महाविद्यालय के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

निगमायुक्त अभिषेक चौधरी ने वार्ड 50 का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिए निर्देश

सड़क-नालियों की सफाई नियमित करें, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

ग्वालियर जीएनएस

नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 19 के अंतर्गत वार्ड 50 के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने साफ-सफाई और सीवर व्यवस्था की स्थिति देखी तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सड़कों और नालियों की नियमित सफाई कराने के साथ सीवर संबंधी समस्याओं का समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निगमायुक्त ने गोरखी गेट के सामने स्थित क्षेत्रीय कार्यालय का निरीक्षण कर लंबित प्रकरणों की जानकारी ली और उपस्थिति रजिस्टर की जांच की। एक कंप्यूटर ऑपरेटर के लंबे समय से अनुपस्थित मिलने पर उसके खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कर संग्रहक से संपत्तिकर वसूली की जानकारी लेते हुए बड़े बकायेदारों से वसूली तेज करने को कहा।

माधौगंज क्षेत्र की विभिन्न गलियों का भ्रमण कर पेयजल, सीवर एवं सफाई व्यवस्था देखी। उन्होंने नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने तथा नालियों एवं सीवर की नियमित सफाई के निर्देश दिए। रॉक्सी पुल के नीचे ऊंचे सीवर चेंबर को ठीक कराने और क्षेत्र में जलभराव की समस्या दूर करने के लिए भी कहा।

महाराज बाड़ा क्षेत्र में मल्टीलेवल पार्किंग से आने वाले पानी की समस्या पर अधिकारियों से चर्चा की। गोरखी के सामने स्ट्रीट लाइट के पोल से एक लाइट उतरवाकर उसकी क्षमता और गुणवत्ता की जांच भी कराई।

निरीक्षण के दौरान पार्षद अनिल सांखला, अपर आयुक्त मुनीष सिंह सिकरवार, उपायुक्त मुकेश बंसल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गायत्री प्रज्ञा पीठ पर आज से श्राद्ध तर्पण कार्यक्रम शुरू

ग्वालियर जीएनएस

श्राद्ध पक्ष के अवसर पर गायत्री प्रज्ञा पीठ कंपू में 26 सितंबर से 10 अक्टूबर, पितृ मोक्ष अमावस्या तक प्रतिदिन श्राद्ध तर्पण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम दो पालियों में होगा। पहली पाली सुबह 6 बजे और दूसरी पाली सुबह 9 बजे निर्धारित की गई है।

मुख्य प्रबंध ट्रस्टी शिववीर सिंह चौहान एवं व्यवस्थापक यशवंत सिंह ने बताया कि श्राद्ध तर्पण कार्यक्रम में शामिल होने वाले परिजनों को अपना पंजीयन गायत्री प्रज्ञा पीठ कंपू कार्यालय में कराना होगा। पंजीयन के आधार पर कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएंगी।

उन्होंने बताया कि श्राद्ध तर्पण के लिए पूजन सामग्री संस्था की ओर से निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम का उद्देश्य पितरों को श्रद्धांजलि अर्पित करना और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करना है। आयोजन के लिए गायत्री प्रज्ञा पीठ कंपू में विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

आयोजकों ने श्रद्धालु परिजनों से निर्धारित अवधि में कार्यक्रम में शामिल होने और व्यवस्था के लिए समय से पंजीयन कराने का अनुरोध किया है।

अचलेश्वर महादेव न्यास चुनाव के लिए 50 नामांकन जमा

ग्वालियर जीएनएस

श्री अचलेश्वर महादेव न्यास ग्वालियर के निर्वाचन के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 25 सितंबर को शाम 5 बजे तक कुल 50 नामांकन पत्र जमा हुए। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नरेन्द्र बाबू यादव ने बताया कि कार्यकारी न्यास पद के लिए 4, अध्यक्ष के लिए 5, उपाध्यक्ष के लिए 4, सचिव के लिए 5, कोषाध्यक्ष के लिए 4, सूचना सचिव के लिए 3, मार्गदर्शक व्यवस्था सचिव के लिए 3 और उप व्यवस्थापक सचिव के लिए 2 नामांकन प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा 10 कार्यकारी सदस्य पदों के लिए 20 नामांकन जमा हुए।

उन्होंने बताया कि 26 सितंबर को प्राप्त नामांकन पत्रों की समीक्षा की जाएगी। इसके बाद सुबह 11 बजे विधिमान्य पाए गए नामांकन पत्रों की अंतिम सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं प्रार्थिनी श्रीमती ज्योति पत्नी स्व. श्री नंदकिशोर जो राय कॉलोनी, घासमण्डी, ग्वालियर म.प्र. निवासी हूँ। यहकि मेरे पुत्र के आधार कार्ड में नाम क्रिश त्रुटिवश गलत अंकित हो गया है। जो कि गलत है, जबकि मेरे पुत्र का सही एवं वास्तविक नाम कुश सेन है जो कि मेरे पुत्र के शिक्षा संबंधी अंकसूची एवं मूल निवासी, जन्म प्रमाण पत्र, समग्र आई.डी. दस्तावेज में अंकित है। जो कि सत्य व सही है। अतः प्रकाशन उपरांत मेरे पुत्र को उसका सही नाम कुश सेन के नाम से जाना पहचाना, लिखा पढ़ा एवं दर्ज किया जावे।

आवेदक
श्रीमती ज्योति पत्नी स्व. श्री नंदकिशोर
राय कॉलोनी, घासमण्डी, ग्वालियर म.प्र.

नाम परिवर्तन सूचना

मेरे पुत्र का सही नाम इशांत भदौरिया (ISHANT BHADORIYA) है यही नाम उसके जन्म प्रमाण पत्र, शैक्षणिक दस्तावेज आदि में दर्ज है। जबकि मेरे पुत्र के आधार कार्ड में त्रुटिवश उसका नाम एसंत भदौरिया (ESANT BHADAURIA) दर्ज हो गया हैं। इशांत भदौरिया (ISHANT BHADORIYA) और एसंत भदौरिया (ESANT BHADAURIA) दोनों नाम मेरे एक ही पुत्र के हैं। अतः इस सूचना प्रकाशन उपरांत मेरे पुत्र के आधार कार्ड एवं समस्त शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में उसका नाम एसंत भदौरिया (ESANT BHADAURIA) के स्थान पर इशांत भदौरिया (ISHANT BHADORIYA) पुत्र सुशील सिंह पढ़ा लिखा व दर्ज किया जावें।

आवेदक सुशील सिंह
पुत्र शिशुपाल सिंह निवासी: आदित्यपुरम, भिंड मार्ग, ग्वालियर (म.प्र.)

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जात है कि मैं प्रार्थी ज्ञानी सिंह पुत्र हाकिम सिंह कुशवाह जो कि ग्राम जारोनी पोस्ट नूराबाद जिला मुरैना म.प्र. निवासी हूँ। यहकि मैं पंजाब नेशनल बैंक, में हेडकेशियर के पद पर शाखा मुरैना में वर्तमान में पदस्थ हूँ मुझ प्रार्थी के पंजाब नेशनल बैंक के सर्विस रिकॉर्ड में मुझ प्रार्थी का नाम GHAYANI SINGH KUSHWAH S/O HAKIM SINGH अंकित हो गया है जो कि गलत है जबकि सही एवं वास्तविक सही नाम अंग्रेजी एवं हिन्दी में GYANI SINGH ज्ञानी सिंह पुत्र हाकिम सिंह कुशवाह है जो कि मेरी अंकसूची, पेनकार्ड, आधार कार्ड में अंकित है। जो कि सत्य व सही है। अतः प्रकाशन उपरांत मेरा नाम सही नाम GYANI SINGH ज्ञानी सिंह पुत्र हाकिम सिंह कुशवाह के नाम से जाना, पहचाना, लिखा, पढ़ा एवं दर्ज किया जावे।

प्रार्थी : ज्ञानी सिंह

नाम परिवर्तन सूचना

मेरी पुत्री का सही नाम राशि शिवहरे (RASHI SHIVHARE) है जो कि उसके शैक्षणिक दस्तावेज आदि में दर्ज है। जबकि मेरी पुत्री के आधार कार्ड में त्रुटिवश उसका नाम अंजली (ANJALI) दर्ज हो गया है। राशि शिवहरे (RASHI SHIVHARE) और अंजली (ANJALI) दोनों नाम मेरी एक ही पुत्री के है, अतः सूचना प्रकाशन उपरांत मेरी पुत्री के आधार कार्ड एवं समस्त शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में उसका नाम अंजली (ANJALI) के स्थान पर सही नाम राशि शिवहरे (RASHI SHIVHARE) पुत्री मुकेश कुमारशिवहरे पढ़ा, लिखा व दर्ज किया जावें।

आवेदक : मुकेश कुमार शिवहरे पुत्र श्री कृष्ण मुरारी,
निवासी : वार्ड नं. 39, राम नगर, अटेर रोड, भिण्ड (म.प्र.)

सेवा-संकल्प अभियान के तहत बाइक यात्रियों ने ग्वालियर में किया जनसंवाद

ग्वालियर जीएनएस

सेवा-संकल्प अभियान के तहत बड़नगर-वाराणसी बाइक रैली के सदस्यों ने ग्वालियर के विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर आम नागरिकों और शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों से संवाद किया। बाइक यात्रियों ने नीम पर्वत पहुंचकर स्वच्छता के लिए श्रमदान किया और नागरिकों से चर्चा की।

ग्वालियर पहुंचने पर बाइक यात्रियों का जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं नागरिकों ने स्वागत किया। इसके बाद दल के सदस्य घाटीगांव विकासखंड के बर्रई पहुंचे, जहां उन्होंने ग्रामीण विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों से मुलाकात कर योजनाओं से मिले लाभ और उनके अनुभवों की जानकारी ली। बाइक यात्रियों ने

पर्यटन एवं पुरातत्व की दृष्टि से महत्वपूर्ण ग्वालियर दुर्ग का भी भ्रमण किया। उन्होंने ऐतिहासिक किले का अवलोकन करने के साथ यहां आने वाले नागरिकों से संवाद कर ÷सेवा-संकल्प अभियान÷ के उद्देश्यों की जानकारी दी।

दल के सदस्यों ने बताया कि रैली में 25 बाइक के साथ 50 से अधिक सदस्य शामिल हैं। यह दल विभिन्न शहरों में पहुंचकर नागरिकों से संवाद करते हुए गुजरात के बड़नगर पहुंचेगा। अभियान का उद्देश्य सेवा, जनभागीदारी और शासन की योजनाओं के प्रति नागरिकों में जागरूकता बढ़ाना है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।